

राष्ट्रीय दैनिक

स्वदेश प्रेम

फिल्म 'रणबाली' में
पति विजय..

राष्ट्रीय राजधनी दिल्ली से प्रकाशित

वर्ष-01

अंक-35

नई दिल्ली गुरुवार, 23 जुलाई 2026

R.N.I NO : DELHIN/2022/86452

पृष्ठ- 8

मूल्य-01 रुपये

सीजेपी प्रदर्शन मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई से किया इनकार



हमारा समय बर्बाद मत
कीजिए और अपना समय
भी बर्बाद मत कीजिए।
- सीजेआई सूर्य कांत

नई दिल्ली, एजेंसी। परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक मामले को लेकर कॉन्फ्रेंस जनता पार्टी (सीजेपी) के विरोध-प्रदर्शन के दौरान छात्र प्रदर्शनकारियों पर दिल्ली पुलिस की कार्रवाई के खिलाफ दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया।

मामले को अदालत के सामने रखने वाले वकील ने कहा कि छात्र नीट परीक्षा के सही तरीके से आयोजन और राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी में सुधार जैसे अहम मुद्दों को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। इस पर भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने वकील से कहा, "हमारा समय बर्बाद न करें और अपना समय भी बर्बाद न करें।"

सुनवाई के दौरान वकील ने कहा कि पुलिस कार्रवाई से जुड़े वीडियो मौजूद हैं, जिनमें प्रदर्शनकारियों के साथ कथित

सख्ती दिखाई दे रही है। इस पर मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि अदालत को वीडियो देखने में कोई रुचि नहीं है। उन्होंने कहा कि अदालत के पास ऐसे वीडियो देखने का समय नहीं है। मुख्य न्यायाधीश ने वकील की दलील बीच में रोकते हुए कहा, "आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।"

इससे पहले दिल्ली हाईकोर्ट ने भी इसी तरह के मामले में तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया था। हाईकोर्ट ने कहा था कि अदालत को इस मामले में नहीं घसीटा जाए।

बता दें कि सीजेपी की ओर से नीट परीक्षा में कथित गड़बड़ियों, प्रश्नपत्र लीक और राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी में सुधार की मांग को लेकर दिल्ली में प्रदर्शन किया जा रहा है।

सोनम वांगचुक से अनशन खत्म करने की अपील, आंदोलन रहेगा जारी

25वें दिन स्वास्थ्य को लेकर जताई चिंता



कर दिया कि यह आंदोलन केवल एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि परीक्षा व्यवस्था में

पारदर्शिता और न्याय की मांग करने वाले लाखों छात्रों का है।

नीट पेपर लीक पर सरकार संसद में चर्चा को तैयार : किरें रिंजिजू

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीट पेपर लीक मामले और छात्रों के विरोध-प्रदर्शन को लेकर विपक्ष के लगातार हमलों के बीच केंद्र सरकार ने बुधवार को संसद में इस मुद्दे पर चर्चा करने की सहमति जताई। संसदीय कार्य मंत्री किरें रिंजिजू ने लोकसभा में कहा कि सरकार नीट पेपर लीक के मुद्दे पर विस्तृत चर्चा के लिए पूरी तरह तैयार है। लोकसभा में विपक्ष के इंगामे और नारेबाजी के बीच किरें रिंजिजू ने कहा कि छात्रों के हित सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि सरकार इस महत्वपूर्ण विषय पर सदन में व्यापक चर्चा चाहती है, ताकि सभी पक्ष अपनी बात रख सकें। सरकार के इस बयान को विपक्ष के लगातार दबाव और छात्रों के विरोध-प्रदर्शनों के बीच महत्वपूर्ण माना जा रहा है। हाल के दिनों में नीट पेपर लीक को लेकर देश के कई हिस्सों में प्रदर्शन हुए हैं और विपक्ष इस मुद्दे को लेकर सरकार को लगातार घेर रहा है। रिंजिजू ने कहा कि सरकार इस मामले पर चर्चा से पीछे नहीं हट रही है और सदन में सभी सवालों का जवाब देने के लिए तैयार है। सरकार का कहना है कि छात्रों के भविष्य और परीक्षा प्रणाली की पारदर्शिता सुनिश्चित करना उसकी प्राथमिकता है।



पेपर लीक के जिम्मेदारों पर हो कार्रवाई, प्रधानमंत्री छात्रों से मांगें माफी : राहुल गांधी

नई दिल्ली, एजेंसी। नीट परीक्षा में पेपर लीक और छात्रों के विरोध प्रदर्शन को लेकर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने केंद्र सरकार के सामने तीन प्रमुख मांगें रखीं। उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे, मामले में जिम्मेदार लोगों पर सख्त कार्रवाई और प्रधानमंत्री से छात्रों से माफी मांगने की मांग की।

कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में राहुल गांधी ने कहा कि परीक्षा प्रणाली में हुई गड़बड़ियों के लिए जवाबदेही तय होनी चाहिए। उन्होंने



आरोप लगाया कि शिक्षा मंत्री अपने दावित्वों का निर्वहन करने में विफल रहे

हैं और लगातार पेपर लीक की घटनाओं के बावजूद मंत्रालय प्रभावी कदम नहीं उठा सका।

राहुल गांधी ने कहा कि नीट परीक्षा में हुई अनियमितताओं और छात्रों के खिलाफ कथित कार्रवाई के लिए जिम्मेदार सभी लोगों पर कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि केवल छोटे स्तर के लोगों पर कार्रवाई पर्याप्त नहीं है, बल्कि पूरे तंत्र और निर्णय लेने वालों की जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि इस पूरे मामले को

अंतिम जिम्मेदारी सरकार के शीर्ष नेतृत्व की है। प्रधानमंत्री को देश के छात्रों के सामने आकर माफी मांगनी चाहिए और स्वीकार करना चाहिए कि परीक्षा व्यवस्था में गंभीर खामियां रही हैं।

राहुल गांधी ने दावा किया कि पिछले 10 वर्षों में देशभर में 152 पेपर लीक की घटनाएं हुईं, जिससे करीब 7.5 करोड़ छात्र और उनके परिवार प्रभावित हुए। उन्होंने कहा कि इतने मामलों के बावजूद दोषियों को सजा नहीं मिलना शिक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े

करता है।

उन्होंने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में छात्र और उनके परिवार वर्षों की मेहनत और बड़ी धनराशि लगाते हैं, लेकिन पेपर लीक जैसी घटनाएं उनकी मेहनत को नुकसान पहुंचाती हैं। राहुल गांधी ने छात्रों के आंदोलन को जायज बताते हुए कहा कि वे केवल निष्पक्ष परीक्षा और पारदर्शी शिक्षा व्यवस्था की मांग कर रहे हैं। उन्होंने सरकार से छात्रों की आवाज सुनने और उनकी समस्याओं का समाधान करने की अपील की।

अदाणी पावर का मुनाफा 47% बढ़ा

पहली तिमाही में 4,867 करोड़ लाभ



अहमदाबाद। अदाणी समूह की कंपनी अदाणी पावर ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में शानदार प्रदर्शन करते हुए 4,867 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा दर्ज किया है। यह पिछले साल की समान तिमाही के 3,305 करोड़ रुपये के मुकाबले 47.2 प्रतिशत अधिक है। कंपनी का कुल राजस्व 26.6 प्रतिशत बढ़कर 17,936 करोड़ रुपये पहुंच गया। वहीं, ईबीआईटीडीए 21.6 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 6,983 करोड़ रुपये रहा। पहली तिमाही में बिजली बिक्री 16.9 प्रतिशत बढ़कर 28.8 अरब यूनिट रही। कंपनी ने बताया कि बेहतर परिचालन, लागत प्रबंधन और बिजली की बढ़ती मांग से यह उपलब्धि हासिल हुई है।

अनंतनाग में आतंकी हमले में पुलिसकर्मी शहीद

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग कस्बे में बुधवार को हुए आतंकी हमले में एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई। बाइक सवार आतंकीयों ने गश्त कर रहे पुलिसकर्मी पर गोलीबारी कर दी। मृतक पुलिसकर्मी की पहचान आईआरपी की तीसरी बटालियन के कांस्टेबल आशिफ हुसैन के रूप में हुई है। अधिकारियों के अनुसार, हमले के बाद उन्हें गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। घटना अनंतनाग के लाल चौक इलाके में दोपहर करीब 12:30 बजे हुई। हमले के बाद सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। सभी प्रवेश और निकास मार्गों पर निगरानी बढ़ा दी गई है। यह हमला अमरनाथ यात्रा के मद्देनजर घाटी में बढ़ाई गई सुरक्षा व्यवस्था के बीच हुआ है। सुरक्षा बल आतंकीयों की तलाश में अभियान चला रहे हैं।

पटना में बवाल : पेपर लीक के विरोध में छात्रों का प्रदर्शन उग्र



पटना, एजेंसी। बिहार की राजधानी पटना बुधवार को राजनीतिक और छात्र आंदोलनों के चलते पूरे दिन तनाव का केंद्र बनी रही। एक ओर नीट पेपर लीक, शिक्षा में भ्रष्टाचार और प्रस्तावित उच्च शिक्षा विधेयक-2026 के विरोध में अखिल भारतीय छात्र संघ (आइसा) के नेतृत्व में हजारों छात्र सड़कों पर उतर आए, तो दूसरी ओर सदाकत आश्रम स्थित प्रदेश कांग्रेस कार्यालय के बाहर भाजपा और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच हिंसक झड़प हो गई। दोनों घटनाओं के बाद कई इलाकों में अफरा-तफरी का माहौल रहा और

भारी पुलिस बल तैनात करना पड़ा। आइसा ने पहले ही प्रस्तावित उच्च शिक्षा विधेयक-2026 के विरोध में लोकभवन मार्च का ऐलान किया था।

संगठन ने छात्र संपर्क अभियान चलाकर बड़ी संख्या में विद्यार्थियों और युवाओं से प्रदर्शन में शामिल होने की अपील की थी। इसके बाद हजारों छात्र गांधी मैदान से लोकभवन की ओर मार्च के लिए निकले। गांधी मैदान गेट नंबर-12 और जेपी गोलंबर के पास पुलिस ने बैरिकेडिंग कर प्रदर्शनकारियों को रोकने का प्रयास किया।

पठानकोट में बेकाबू बस ने चार लोगों को रेंदा, भीड़ ने फूंकी बस

पठानकोट, एजेंसी। पठानकोट-जालंधर राष्ट्रीय राजमार्ग पर बुधवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। गांव कोतलपुर के पास तेज रफ्तार निजी बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े चार लोगों को टक्कर मारते हुए उनके ऊपर चढ़ गई। हादसे में चारों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर पहुंचे ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा और उन्होंने बस को आग के हवाले कर दिया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सुबह के समय एक निजी बस हाईवे से गुजर रही थी। इसी दौरान चालक बस पर नियंत्रण खो बैठा और बस सड़क किनारे खड़े लोगों से जा टकराई। टक्कर इतनी तेज थी कि चारों लोग गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े।

हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत वायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया, जहां उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना से नाराज ग्रामीणों ने हाईवे पर हंगामा किया और बस चालक को पकड़ने का प्रयास किया।

आक्रोशित लोगों ने बस को घेरकर उसमें आग लगा दी। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। हादसे के कारणों का पता लगाने के लिए चालक से पूछताछ की जा रही है।

ई20 पेट्रोल से पुराने वाहनों में माइलेज घट सकता है, इंजन को नुकसान का प्रमाण नहीं

सरकार ने किया दावा

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने बुधवार को कहा कि ई20 पेट्रोल (20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल) के इस्तेमाल से ई10 पेट्रोल के लिए डिजाइन किए गए कुछ पुराने वाहनों में ईंधन दक्षता (माइलेज) में मामूली कमी आ सकती है। हालांकि, एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल के कारण बड़े पैमाने पर इंजन खराब होने या वाहनों में खराबी आने का कोई सत्यापित (वेरिफाइड) प्रमाण नहीं मिला है।

राज्यसभा में पूछे गए सवालों के लिखित जवाब में पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री सुरेश गोपी



ने बताया कि ई10 के लिए डिजाइन किए गए पुराने वाहनों में माइलेज में होने वाली कमी आमतौर पर करीब 3 से 5 प्रतिशत तक ही सीमित रहती है। उन्होंने कहा कि किसी वाहन का माइलेज केवल पेट्रोल में एथेनॉल की मात्रा पर निर्भर नहीं करता, बल्कि ड्राइविंग की आदत, वाहन का रखरखाव, टायर प्रेशर, व्हील अलाइनमेंट और एयर

कंडीशनर (एसी) के उपयोग जैसे कई अन्य कारकों पर भी निर्भर करता है।

इस बीच, इसी महीने 7 जुलाई को केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने ई20 पेट्रोल को लेकर उठ रहे सवालों पर आलोचकों को चुनौती दी थी। उन्होंने कहा था कि यदि 20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल से किसी वाहन को नुकसान हुआ हो, तो उसका एक भी उदाहरण सामने लाकर दिखाया जाए। साथ ही उन्होंने माइलेज कम होने और अन्य दावों को 'पेड कैपेन' का हिस्सा बताया था।

पुछ में भूस्खलन, बाल-बाल बचे सांसद मियां अल्लाफ अहमद

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के वरिष्ठ नेता और लोकसभा सांसद मियां अल्लाफ अहमद बुधवार को पुच्छ-जम्मू नेशनल हाईवे पर भूस्खलन से बाल-बाल बच गए। उनके काफिले की एक गाड़ी भूस्खलन की चपेट में आ गई। आईएनएस से ? बाहर करते हुए मियां अल्लाफ अहमद ने कहा कि वह ठीक थे और लैंडस्लाइड पार कर चुके थे, तभी उनके काफिले की एक गाड़ी मलबे की चपेट में आ गई। उन्होंने कहा कि उस गाड़ी में सवार सभी लोग सुरक्षित हैं। पिछले कुछ दिनों से बाढ़ पीड़ितों की समस्याओं को दूर करने के लिए मियां अल्लाफ राजौरी में कैप कर रहे हैं। वह लैंडस्लाइड से प्रभावित दूरदराज के इलाकों का दौरा कर रहे हैं।

बेन गुरियन एयरपोर्ट पर अमेरिकी सैन्य विमानों की रिफ्यूलिंग से इजरायल चिंतित

नई दिल्ली, एजेंसी। ईरान के साथ जारी संघर्ष के बीच इजरायल ने अमेरिका के और अधिक ईंधन भरने वाले सैन्य विमानों की रिफ्यूलिंग पर चिंता जताई है। इजरायल एयरपोर्ट्स अथॉरिटी के महानिदेशक शेरोन केडमी ने कहा कि बेन गुरियन एयरपोर्ट अपनी अधिकतम क्षमता तक पहुंच चुका है और अतिरिक्त सैन्य विमानों को संभालना मुश्किल होगा।

उन्होंने कहा कि इससे यात्रा उड़ानों में देरी या रद्द होने की स्थिति बन सकती है। इससे पहले रिपोर्टों में दावा किया गया था कि बेन गुरियन एयरपोर्ट पर अमेरिका के 33 रिफ्यूलिंग विमान तैनात हैं। अमेरिका की ओर से ईरान में सैन्य ठिकानों पर हमले जारी हैं।



को प्रदर्शित किया है।

राजनाथ सिंह ने कहा कि आईएएसवी त्रिवेणी आत्मनिर्भर भारत की पहचान है देश

में डिजाइन और निर्मित इस पोत ने वैश्विक समुद्री क्षेत्र में भारत की तकनीकी क्षमता, नवाचार और आत्मविश्वास को दर्शाया है।

उन्होंने महिला अधिकारियों की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने विभिन्न देशों में भारत के ध्वज के साथ देश की संस्कृति, सभ्यता और लोकतांत्रिक मूल्यों का भी परिचय कराया। उनके व्यवहार और संवाद ने भारत की सॉफ्ट पावर को मजबूती दी है।

रक्षा मंत्री ने कहा कि इस अभियान का सबसे प्रेरणादायक पहलू यह है कि इसका नेतृत्व महिला अधिकारियों ने किया। आज भारत की महिलाएं केवल अवसरों की प्रतीक्षा नहीं करती, बल्कि अवसरों का निर्माण करती हैं और नेतृत्व कर इतिहास रच रही हैं।

उन्होंने कहा कि त्रिवेणी की यात्रा केवल एक समुद्री अभियान नहीं, बल्कि नए भारत की क्षमता, एकता और आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। यह अभियान करोड़ों भारतीयों के लिए गर्व का विषय है।

जिलाधिकारी ने पोषण योजनाओं की समीक्षा की, कुपोषण मुक्त जनपद के लिए दिए सख्त निर्देश

स्वदेश प्रेम
ग्रेटर नोएडा । जिलाधिकारी मेधा रूपम की अध्यक्षता में बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला पोषण समिति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में बाल विकास सेवा एवं पुष्टार विभाग की विभिन्न योजनाओं, पुष्टार वितरण, पोषण ट्रेकर, सक्षम आंगनवाड़ी 2.0, संभव अभियान 6.0 तथा कुपोषण प्रबंधन की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि गर्भवती महिलाओं

एवं बच्चों को समयबद्ध पोषण सेवाएं उपलब्ध कराने में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए तथा सभी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। बैठक में संभव अभियान 6.0 के अंतर्गत जुलाई माह में मातृत्व पोषण तथा अग्रस्त में जन्म से छह माह तक के शिशुओं के पोषण पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत पात्र महिलाओं का शीघ्र पंजीकरण कराने, आशा और एएनएम के समन्वय से ग्राम



स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण दिवस का शत-प्रतिशत आयोजन कराने तथा तीन से छह वर्ष तक के बच्चों की अपार पहचान संख्या और ई-

कवच ऐप पर अति कुपोषित बच्चों की प्रविष्टियां समयबद्ध पूरी करने के निर्देश भी दिए गए। जिला कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि जून 2026

में जनपद के 85,174 पंजीकृत बच्चों में से 84,557 बच्चों का मापन पूरा किया गया, जिससे 99.28 प्रतिशत मापन दक्षता प्राप्त

हुई। वहीं 21 जुलाई तक 80.19 प्रतिशत पात्र लाभार्थियों को फेस रिकग्निशन प्रणाली के माध्यम से पुष्टार उपलब्ध कराया जा चुका है। जून माह में 288 अति कुपोषित तथा 2,155 मध्यम कुपोषित बच्चों की पहचान की गई, जबकि पोषण पुनर्वास केंद्र की बेड ऑक्यूपेंसी 87 प्रतिशत रही। बैठक में सक्षम आंगनवाड़ी केंद्रों के सुदृढ़ीकरण, पोषण वाटिका, वर्षा जल संचयन तथा आधुनिक सुविधाओं के विकास कार्यों की भी समीक्षा की गई।

ऑपरेशन कवच : परिवहन विभाग ने 68 वाहनों पर की कार्यवाही, वसूला लाखों का जुमाना

स्वदेश प्रेम
गाजियाबाद । परिवहन विभाग ने गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर और हापुड़ में ऑपरेशन कवच विशेष अभियान चलाया। यह अभियान डॉ. सियाराम वर्मा सम्भागीय परिवहन अधिकारी प्रवर्तन गाजियाबाद के नेतृत्व में संचालित किया गया। अभियान का उद्देश्य लंबी दूरी की स्लीपर बसों, ऑल इंडिया परमिट एवं ऑल यूपी परमिट धारक यात्री वाहनों के विरुद्ध सघन जांच कर यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना तथा बिना वैध परमिट, फिटनेस, बीमा एवं निर्धारित सुरक्षा मानकों के संचालित वाहनों पर प्रभावी अंकुश लगाना था। अभियान के दौरान सम्भाग गाजियाबाद के समस्त प्रवर्तन अधिकारियों ने जनपद के प्रमुख मार्गों एवं संवेदनशील स्थलों पर विशेष चेकिंग की गई। विशेष रूप से परी चौक के निकट जीरो प्वाइंट से महामाया फ्लाईओवर क्षेत्र तथा यूपी गेट से हापुड़ मेरठ रोड मार्ग पर संचालित यात्री वाहनों की जांच की गई। उक्त जांच के दौरान वाहनों के परमिट, फिटनेस प्रमाणपत्र, बीमा, चालक के अभिलेख, आपातकालीन सुरक्षा उपकरण, अग्निशमन यंत्र, फर्स्ट एड बॉक्स तथा अन्य आवश्यक सुरक्षा



मानकों का परीक्षण किया गया। अभियान में निर्धारित मानकों का उल्लंघन पाए जाने वाले वाहनों के विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम के अंतर्गत नियमानुसार संभाग गाजियाबाद 68 वाहनों का चालान और प्रशमन शुल्क 16 लाख 50 हजार वसूला गया। डॉ. सियाराम वर्मा, सम्भागीय परिवहन अधिकारी प्रवर्तन गाजियाबाद ने बताया कि प्रशासन और पुलिस विभाग के सहयोग से संचालित इस अभियान का मुख्य उद्देश्य यात्रियों को सुरक्षित, विश्वसनीय एवं मानक अनुरूप परिवहन सुविधा उपलब्ध कराना तथा अवैध एवं असुरक्षित यात्री परिवहन संचालन पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना रहा। भविष्य में भी ऐसे विशेष प्रवर्तन अभियान निरंतर चलाए जाएंगे, जिससे सड़क सुरक्षा को सुदृढ़ किया जा सके तथा यात्रियों के जीवन एवं संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

नोएडा में 2.48 करोड़ रुपये की अवैध दवाएं जब्त, एक गिरफ्तार

स्वदेश प्रेम
ग्रेटर नोएडा । नोएडा के सेक्टर-76 स्थित अमरापल्ली प्रिंस्ली एस्टेट में संयुक्त छापेमारी के दौरान लगभग 2.48 करोड़ रुपये मूल्य की अवैध रूप से संग्रहित दवाएं बरामद की गईं। कार्रवाई के दौरान एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया, जबकि बड़ी मात्रा में बरामद दवाओं और अन्य सामग्री को विधिक प्रक्रिया के तहत जब्त कर लिया गया। मामले में अग्रिम कानूनी कार्रवाई जारी है। औषधि निरीक्षक जयसिंह ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय प्रकोष्ठ, अपराध शाखा, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली से प्राप्त सूचना तथा डीडीसी (आई) उत्तर जोन, गाजियाबाद के निर्देश पर केन्द्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ), अपराध शाखा नई दिल्ली और औषधि विभाग गौतमबुद्धनगर की संयुक्त टीम ने प्लेट संख्या जे-402, अमरापल्ली प्रिंस्ली एस्टेट, सेक्टर-76 में छापेमारी की। मौके पर आनंद कुमार, बसंत लाल



वर्णवाल और प्रीति मौजूद मिले। जांच में प्लेट का उपयोग बड़ी मात्रा में दवाओं के अवैध भंडारण के लिए किया जाना पाया गया। छापेमारी के दौरान गोलियां, कैप्सूल, इंजेक्शन, टीके, मानव एल्यूमिन, इम्युनोग्लोबुलिन, रेबीज रोधी टीका, सर्पदंश प्रतिरोधी सीरम सहित कई उच्च मूल्य की जैविक औषधियां बरामद हुईं। जांच में अनेक दवाओं पर "सरकारी आपूर्ति, बिक्री के लिए नहीं" अंकित मिला, जिससे उनके अनधिकृत उपयोग और दुरुपयोग की आशंका जताई गई। इसके अलावा जिन दवाओं को 2 से 8

डिग्री सेल्सियस तापमान पर सुरक्षित रखा जाना आवश्यक था, उन्हें सामान्य कमरे के तापमान पर रखा गया था। अधिकारियों के अनुसार जब्त दवाओं का कुल मूल्य अधिकतम खुदरा मूल्य के आधार पर लगभग 2,48,66,658.31 रुपये है। जांच के लिए आठ औषधि उत्पादों के नमूने लिए गए हैं, जबकि आयातित दवाओं के नमूने सीडीएससीओ उत्तर जोन अलग से एकत्र करेंगे। कार्रवाई के दौरान आनंद कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया है और पूरे प्रकरण की विस्तृत जांच जारी है।

महिला आयोग सदस्य ने सुनीं फरियादें, आठ मामलों का मौके पर हुआ निस्तारण

स्वदेश प्रेम
ग्रेटर नोएडा । उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य डॉ. मीनाक्षी भराला की अध्यक्षता में बुधवार को विकास भवन सभागार में महिला जनसुनवाई आयोजित की गई। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंची महिलाओं ने पारिवारिक विवाद, घरेलू हिंसा, भरण-पोषण और उत्पीड़न से संबंधित शिकायतें आयोग के समक्ष रखीं। जनसुनवाई के दौरान पुलिस विभाग से जुड़े कुल 19 प्रकरण प्रस्तुत किए गए, जिनमें से आठ महिलाएं व्यक्तिगत रूप से उपस्थित हुईं। सुनवाई के दौरान आठ मामलों का मौके पर ही निस्तारण कराया गया, जबकि शेष मामलों के त्वरित और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। डॉ. मीनाक्षी भराला ने कहा कि महिलाओं से जुड़े मामलों में संवेदनशीलता, सहानुभूति और मानवीय दृष्टिकोण अपनाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों

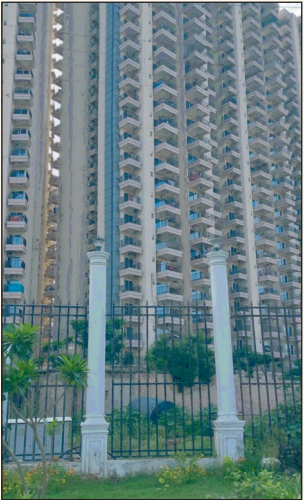


को निर्देश दिए कि प्रत्येक महिला की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाए तथा फरियादियों के साथ सम्मानजनक और सहयोगपूर्ण व्यवहार किया जाए। उन्होंने कहा कि कई महिलाएं सामाजिक और पारिवारिक कारणों से अपनी समस्याएं खुलकर नहीं बता पातीं, इसलिए उन्हें विश्वास में लेकर निष्पक्ष न्याय दिलाना प्रशासन की जिम्मेदारी है। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य महिला आयोग का उद्देश्य महिलाओं को न्याय दिलाने के साथ-साथ उन्हें उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना भी है। जनसुनवाई के बाद डॉ. मीनाक्षी

भराला ने सेक्टर-44 स्थित महामाया बालिका इंटर कॉलेज में आयोजित शक्ति संवाद कार्यक्रम में छात्राओं से संवाद किया। उन्होंने छात्राओं को महिला सुरक्षा, शिक्षा, आत्मनिर्भरता और सैवधानिक अधिकारों के प्रति जागरूक करते हुए आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने तथा अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी बालचंद्र त्रिपाठी, डीसीपी महिला सुरक्षा सुनीति, नेहा सिंह, मनोज कुमार पुष्कर, चंद्रशेखर, आशीष कुमार सिंह, जितेंद्र मौर्य सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

गौड़ यमुना सिटी सोसाइटी में एलएलबी छात्र की पांचवीं मंजिल से गिरकर मौत, पुलिस जांच में जुटी

स्वदेश प्रेम-रबपुरा । यमुना प्राधिकरण क्षेत्र स्थित गौड़ यमुना सिटी सोसाइटी में बुधवार सुबह एक विधि छात्र की पांचवीं मंजिल से गिरने से मौत हो गई। घटना से सोसाइटी में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और छात्र को तत्काल ग्रेटर नोएडा स्थित जिम्मा चिकित्सालय ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है तथा मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार मेरठ जनपद के दौराना कस्बे की बंगला कॉलोनी निवासी पंकज शर्मा का 20 वर्षीय पुत्र कार्तिक शर्मा गलगोटियास विश्वविद्यालय में एलएलबी द्वितीय वर्ष का छात्र था। वह पढ़ाई के दौरान गौड़ यमुना सिटी सोसाइटी में किराये के प्लेट में रह रहा था। बुधवार सुबह वह अपने प्लेट की बालकनी से नीचे गिर गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने घटना की सूचना तत्काल पुलिस और एंबुलेंस को दी, जिसके बाद उसे अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन चिकित्सक उसे बचा नहीं सके। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार कार्तिक पिछले कुछ समय से मानसिक तनाव में था। बताया जा रहा है कि हाल ही में उसकी सेमेस्टर परीक्षाएं समाप्त हुई थीं और वह परीक्षा परिणाम को लेकर चिंतित था। हालांकि पुलिस ने अभी इस संबंध में किसी भी कारण की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। पुलिस छात्र के सहपाठियों, मित्रों और परिजनों से पूछताछ कर रही है तथा उसके मोबाइल फोन और अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही घटना के वास्तविक कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा।



कांवड़ यात्रा की तैयारियों का जायजा लेने पहुंचे एसडीएम लोनी, मार्गों का किया निरीक्षण

स्वदेश प्रेम
गाजियाबाद । आगामी कांवड़ यात्रा-2026 को सुरक्षित, सुव्यवस्थित और निर्विघ्न रूप से संपन्न कराने के उद्देश्य से प्रशासन ने तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। जिलाधिकारी गाजियाबाद रविन्द्र कुमार मांदड़ के निर्देश पर ज्वाइंट मजिस्ट्रेट एवं उपजिलाधिकारी लोनी दीपक सिंहनवाल ने संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ कांवड़ मार्ग का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण हिण्डन नदी पुल भनेड़ा खुर्द से दिल्ली बॉर्डर तक किया गया, जहां यात्रा मार्ग पर उपलब्ध व्यवस्थाओं और आवश्यक सुधार कार्यों का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान उपजिलाधिकारी ने कांवड़ मार्ग की साफ-सफाई व्यवस्था का विशेष रूप से अवलोकन किया। उन्होंने नगर पालिका परिषद लोनी के अधिकारियों को निर्देश दिए कि यात्रा शुरू होने से पहले पूरे मार्ग को स्वच्छ एवं व्यवस्थित रखा जाए तथा नियमित सफाई सुनिश्चित की जाए। इसके अलावा मार्ग पर आने वाली पेड़ों की ठहनियों, झाड़ियों तथा गुलर आदि की समयबद्ध छंटाई कराने के निर्देश भी दिए गए, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। विद्युत सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उपजिलाधिकारी ने मार्ग पर स्थित विद्युत ट्रांसफार्मरों की बैरिकेडिंग सुनिश्चित करने तथा विद्युत तारों की ऊंचाई निर्धारित मानकों के अनुरूप रखने के निर्देश विद्युत विभाग के अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा



जाए। इसके अलावा मार्ग पर आने वाली पेड़ों की ठहनियों, झाड़ियों तथा गुलर आदि की समयबद्ध छंटाई कराने के निर्देश भी दिए गए, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। विद्युत सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उपजिलाधिकारी ने मार्ग पर स्थित विद्युत ट्रांसफार्मरों की बैरिकेडिंग सुनिश्चित करने तथा विद्युत तारों की ऊंचाई निर्धारित मानकों के अनुरूप रखने के निर्देश विद्युत विभाग के अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा

व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही रात्रिकालीन आवागमन को सुरक्षित बनाने के लिए मार्ग पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था करने के भी निर्देश दिए गए। लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को मार्ग की स्थिति का परीक्षण कर आवश्यक मरम्मत कार्य शीघ्र पूरा कराने के निर्देश दिए गए। उस दौरान विद्युत विभाग के उपखंड अधिकारी, नगर पालिका परिषद लोनी के मुख्य सफाई निरीक्षक, लोक निर्माण विभाग के अवर अभियंता तथा ग्राम्य विकास विभाग के सहायक विकास अधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। दीपक सिंहनवाल ने बताया कि कांवड़ यात्रा-2026 को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी विभागों द्वारा की जा रही तैयारियों की समीक्षा की गई है। संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं और प्रशासन श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

खुरपका-मुँहपका टीकाकरण अभियान को डीएम ने हरी झण्डी दिखाकर किया शुरू

स्वदेश प्रेम
गाजियाबाद । गाय एवं बैसों को खुरपका-मुँहपका जैसी अत्यंत संक्रामक एवं विषाणुजनित बीमारी से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से 22 जुलाई 2026 से 8 सितम्बर 2026 तक विशेष टीकाकरण अभियान प्रारंभ किया गया है। अभियान का शुभारंभ जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मांदड़ एवं मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ, मुख्य पशुचिकित्सा अधिकारी डॉ.एसपी पाण्डेय द्वारा टीकाकरण टीमों एवं टीकाकरण वाहनों को हरी झंडी दिखाकर किया गया। इस अभियान के अंतर्गत जनपद के 179500 गोवंश एवं महिषवंशीय पशुओं का निःशुल्क टीकाकरण किया जाएगा। टीकाकरण के साथ-साथ प्रत्येक पशु के कान में ईयर टैग लगाया जाएगा तथा पशुपालक



एवं उनके पशुओं का भारत पशुधन पोर्टल/एप्प पर रियल टाईम पंजीकरण एवं एन्ट्री भी किया जाएगा। यह पंजीकरण पशुओं की स्वरोजगार से जुड़े प्रशिक्षित युवक अभिलेखीकरण तथा भविष्य में संचालित होने वाली विभिन्न पशुपालन योजनाओं का लाभ

उपलब्ध कराने की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। टीकाकरण कार्य प्रशिक्षित पशु मित्रों द्वारा किया जा रहा है। ये पशु मित्र ग्रामीण क्षेत्रों के स्वरोजगार से जुड़े प्रशिक्षित युवक हैं, जिन्हें पोर्टल पर टीकाकरण की प्रविष्टि पूर्ण होने के उपरांत प्रति पशु रूपए 5 की दर से मानदेय

प्रदान किया जाता है। इसलिए सभी पशुपालकों से अनुरोध है कि वे अपने पशुओं के साथ-साथ अपना पंजीकरण भी भारत पशुधन पोर्टल पर अवश्य कराएं, जिससे टीकाकरण कार्य का समुचित अभिलेखीकरण हो सके तथा किसी भी टीकाकर्ता को उसके

कार्य के अनुरूप मानदेय प्राप्त करने में कोई कठिनाई न हो। खुरपका-मुँहपका एक अत्यंत संक्रामक वायरल रोग है, जो एक संक्रमित पशु से दूसरे पशु में बहुत तेजी से फैलता है। इस बीमारी के कारण पशुओं में दुग्ध उत्पादन घट जाता है, उनकी कार्यक्षमता

प्रभावित होती है तथा पशुपालकों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। समय पर टीकाकरण ही इस बीमारी से बचाव का सबसे प्रभावी एवं सुरक्षित उपाय है। जनपद प्रशासन एवं पशुपालन विभाग ने सभी पशुपालकों, जनप्रतिनिधियों, ग्राम प्रधानों, नगर निकायों तथा सामाजिक संगठनों से अपील की वह इस जनहितकारी अभियान में सक्रिय सहयोग प्रदान करें तथा अपने ग्राम, वार्ड एवं क्षेत्र के प्रत्येक गाय एवं बैस का शत-प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित कराएं। सभी के सहयोग से ही जनपद को खुरपका-मुँहपका रोग से सुरक्षित बनाया जा सकता है तथा पशुपालकों की आजीविका एवं पशुधन की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकती है।

स्वदेश प्रेम-गाजियाबाद । आईएमएस गाजियाबाद ने एक बार फिर शैक्षणिक उत्कृष्टता का परिचय देते हुए चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ की परीक्षाओं में शानदार सफलता हासिल की है। संस्थान के विभिन्न पाठ्यक्रमों के 12 छात्र-छात्राओं ने विश्वविद्यालय में सर्वोच्च स्थान प्राप्त कर कुल चार स्वर्ण, पांच रजत और तीन कांस्य पदक अपने नाम किए। लगातार कई वर्षों से विश्वविद्यालय में शीर्ष स्थान प्राप्त करने की परंपरा को इस वर्ष भी संस्थान के विद्यार्थियों ने कायम रखा। विश्वविद्यालय में बीबीए के अभय कुमार शर्मा, बीजेएमसी की मोक्ष त्यागी, एमएससी जैव प्रौद्योगिकी की ईशा बंसल तथा मास्टर ऑफ इंटरनेशनल बिजनेस की छात्रा प्रीति बिष्ट ने सर्वोच्च अंक प्राप्त कर अपने-अपने पाठ्यक्रमों में प्रथम स्थान हासिल किया। इन सभी विद्यार्थियों को चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के 38वें दीक्षांत समारोह में उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल तथा कुलपति प्रो. संगीता शुक्ला की उपस्थिति में स्वर्ण पदक प्रदान कर सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त बीएससी जैव प्रौद्योगिकी की छात्रा साक्षी को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए आर.पी. चट्टा मेरिटोरियस गोल्ड मेडल से भी सम्मानित किया गया। दीक्षांत समारोह में संस्थान के निदेशक प्रो. (डॉ.) जयकिरण कौर, सभी विभागाध्यक्ष, विद्यार्थियों के अभिभावक तथा अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इस अवसर पर आईएमएस गाजियाबाद समूह संस्थानों के महासचिव सीए (डॉ.) राकेश छारिया ने सभी पदक विजेताओं को बधाई देते हुए इसे संस्थान के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया। वहीं प्रो. (डॉ.) जयकिरण कौर ने कहा कि विद्यार्थियों की यह सफलता उनकी मेहनत, अनुशासन और शिक्षकों के समर्पित मार्गदर्शन का परिणाम है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें आगे भी इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया।

राहुल गांधी की गिरफ्तारी के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन :डीसी को राष्ट्रपति के नाम सौंपा झापन, लोकतंत्र बचाने की उठी मांग



हरियाणा (एजेंसी)। दिल्ली में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की गिरफ्तारी और छात्रों पर हुए कथित लाठीचार्ज के विरोध में बुधवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जिला स्तर पर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने केंद्र सरकार को खिलाफ नारेबाजी करते हुए अपनी नाराजगी जाहिर की। बाद में कार्यकर्ताओं ने जिला

ने जिला स्तर पर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने केन्द्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अपनी नाराजगी जाहिर की। बाद में कार्यकर्ताओं ने जिला

सचिवालय पहुंचकर जिला उपायुक्त (डीसी) के माध्यम से महाविद्यालय राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सूची। प्रदर्शन के दौरान नेताओं ने छात्रों के साथ हो रहे व्यवहार और लोकतांत्रिक मूल्यों पर सवाल उठाए। कांग्रेस जिला अध्यक्ष राजेश वैद्य ने कहा कि आज देश का माहौल व्यथित है और लोगों के मन में उबाल है। उन्होंने इस स्थिति के लिए केंद्र की नीतियों को जिम्मेदार ठहराया। वैद्य ने कहा कि जो छात्र डॉक्टर, इंजीनियर और वैज्ञानिक बनने का सपना देखते हैं, उन पर लाठीचार्ज किया जा रहा है, जो अमानवीय है। उन्होंने सवाल उठाया कि जिस शिक्षा मंत्री के कार्यकाल में पेपर लीक जैसी घटनाएं हुईं, उसे क्यों बचाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस छात्रों के साथ खड़ी है और उनके अधिकारों के लिए संघर्ष जारी रखेगी। पूर्ण विधायक रामशेर गोगी ने कहा कि देश के भविष्य यानी छात्रों पर अत्याचारों का हाथ है और राहुल गांधी के साथ हुआ इस प्रकार का व्यवहार किया गया, वह निंदनीय है। उन्होंने कहा कि इसी के विरोध में पूरे देश में जिला स्तर पर प्रदर्शन किए जा रहे हैं। गोगी ने कहा कि जनता जागृत चुकी है और छात्र अपनी मांगों को लेकर अडिग हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास को लेकर उठे सवाल पर कहा कि यह किसी एक पार्टी का नहीं, बल्कि जनता का घर है और लोकतंत्र में सभी को अपनी बात रखने का अधिकार है। प्रदर्शन के अंत में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा और छात्रों के हितों की सुरक्षा की मांग करते हुए राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सूची। कांग्रेस नेता विरेंद्र राठौर ने कहा कि देश की राजनीति में जिससे प्रचार छात्रों के साथ अन्याय हो रहा



है, वह बेहद चिंताजनक है। उन्होंने आरोप लगाया कि केस सफ़रकार ने दिल्ली में बर्बरतापूर्ण माहौल बना रहा है और छात्रों पर लाठीचार्ज किया गया। उन्होंने कहा कि लोकातंत्र का हनन किया जा रहा है। राठौर ने बताया कि छात्रों में हुए लाठीचार्ज के विरोध में राहुल गांधी ने दिल्ली में प्रदर्शन किया, लेकिन इस दौरान राहुल गांधी, प्रियंका गांधी सहित पार्टी के शीर्ष नेताओं को उठाकर गिरफ्तार कर लिया गया, जिसकी कांग्रेस घोर निंदा करती है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र को बचाए रखने की मांग को लेकर ही ज्ञापन सौंपा गया है।

में प्रदर्शन किया, लेकिन इस दौरान राहुल गांधी, प्रियंका गांधी सहित पार्टी के शीर्ष नेताओं को उठाकर गिरफ्तार कर लिया गया, जिसकी कांग्रेस सरकार घोर निंदा करती है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र को बचाए रखने की मांग को लेकर ही ज्ञापन सौंपा गया है।



पानीपत(एजेंसी)। हरियाणा के पानीपत में शादी के महज छह महीने बाद एक युवक की सड़क हादसे में मौत हो गई। मंगलवार रात वह दुकान से सामान लेकर एक ग्राहक के पास जा रहा था। उग्राखेड़ी गांव के पारस उसकी बाइक अचानक सामने आई एक बैस से टकरा गई। हादसे में युवक सड़क पर गिर गया और उसके निर में गंभीर चोट आई। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। खुशवार को गे-रोकर के शव का पोस्टमार्टम कराय गया। इस दौरान उसकी पत्नी का ये-रोकर बुरा हाल था। वह बिलकुल दुःखी कह रही थी, "अगर मुझे पता होता तो मैं उन्हें जाने ही नहीं देती।" पिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। रात साढ़े 8 बजे हुआ हादसा : मृतक की पहचान निंबरी गांव स्थित दाद कालोंनी निवासी सुमित (26) के रूप में हुई है। वह रेलवे रोड स्थित एक बिजली की दुकान पर काम करता था। मंगलवार शाम वह दुकान से सामान लेकर उग्राखेड़ी गांव गया था। सामान देने के बाद जब वह बाइक से पर लौट रहा था तभी रात करीब 8:30 बजे सड़क पर अचानक एक बैस आ गई। टक्कर लगते ही मौके पर मौत हुई। अंधेरा होने के कारण सुमित समय रहते बैस को नहीं देख सका और उसकी बाइक सीधे उसके टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि वह गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, घटनास्थल का निरीक्षण किया और हादसे की जानकारी परिजन को दी। इसके बाद परिजन भी मौके पर पहुंच गए। परिवार के लोग रात 11 बजे पहुंचे : सुमित के चाचा रामबरी ने बताया, "हमें यह सत नहीं है कि बाइक की टक्कर बैस से हुई थी या किसी अन्य पशु से। रात करीब पौने 10 बजे मुझे हादसे की सूचना मिली। उस समय मैं फैक्ट्री में था। वहां से बाइक लेकर घटनास्थल पहुंचा। करीब 11 बजे जब मैं मौके पर पहुंचा, तब पुलिस मौजूद थी और सुमित का शव सड़क पर पड़ा था।" रामबरी ने बताया कि सुमित की शादी करीब छह महीने पहले ही हुई थी। हादसे के बाद उसकी पत्नी का गे-रोकर बुरा हाल है। परिवार में उसकी दो बहनें हैं। बड़ी बहन की शादी हो चुकी है, जबकि छोटी बहन अभी अविवाहित है। इस बार में चांदनीबाग थाना प्रभारी इस्मैक करियन ने बताया कि परिवार के बयान के आधार पर इंतफाकिया कार्रवाई करने हुए पोस्टमार्टम कच्चा कर शव उनको सौंप दिया गया है। जलस्थलियों में हादसा बेसहारा पशु से बाइक टकराने से होना बताया है। पुलिस इस पर पड़ल पर जांच कर रही है।

सिरसा में गुड़िया खेड़ा माइनर में
20 फ़ुट चौड़ी दरार



सिरसा(एग्नेसी)। जिले के चोपटा क्षेत्र में आज मंगलवार को गुडिचखाने पर खेड़ा माइनर नहर टूट गई। माइनर के कारण मृगफल और धान कं का लगेभग 12 एकड़ फसल जलमग्न हो गई। एक तरफ सिंचाई पानी कं रहा तो दूसरी तरफ माइनर नहर का पानी खेतों तक पहुंचने से पहले ही टूट जाता है। इस कारण किसानों को सिंचाई पानी बिना ही रह गए।जानकारी के अनुसार, गांव निरवाग गांव के पास माइनर नही है और माइनर में करीब 20 फुट चौड़ी दरार आ गई है। इससे राजकुमार सिंघ और आत्मा राव कस्यां के खेतों में खेड़ा मृगफल और धान की फसलें पूरी तरह पानी में डूब गई। किसानों ने बताया कि सिंचाई नहर रात में टूटी, जिससे उनकी फसलें बर्बाद हो गई। जिन किसानों क सिंचाई की बारी आगे थी, उनके खेत भी सूखे रह गए।ग्रामीणों ने तत्काल सिंचाई विभाग को माइनर टूटने की सूचना दी। विभाग द्वारा नहर को पीछे से बंद करवाकर दरार को पाटने का काम शुरू किया जाऐ। देर तक खेड़ा माइनर से पानी बहता रहा और फसलों में जलभाव शुरू रहा।ग्रामीणों क कहना है कि बार-बार माइनर के टूटने से खेतों में खेड़ा फसलें खराब हं रहनी हैं। किसानों ने इस फसल खराबे के लिए मुयाजिन की मांग की और जिन किसानों की सिंचाई नहीं हो पाई, उनकी भरपाई की मांग की है।

हरियाणवी कलाकारों का कॉन्फ्रेंस

जनता पार्टी का समर्थन

सिरसा (एजेंसी) नीट पेपर लोक मामले में जंतर मंतर पर आमरण अनशन पर चल रहे सोमनाथ वांगचकर और कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) पर दिल्ली पुलिस द्वारा बर्बोसपूर्वक लाठीचार्ज किए जाने का विरोध राजनीतिक दलों ही नहीं हरियाणवी कलाकारों में भी नजर आने लगा है। हरियाणवी कलाकारों का कहना है कि

हारियाणवी कलाकार युवाओं के शो में उतर आए हैं और पैपर परफेक्ट सिंगर ढांडा न्योलीवाला ने अपने सांस्कृतिक शो प्रोग्राम स्थापित कर दिए हैं हरियाणवी कलाकार देव कुमार देवा और अर्पण 'भुरी कोर्ट' में गोली मारेंगे मेरी जान' फेम सिंगर अंकित बालियान ने अपने इंट्रानेशनल अकाउंट पर वीडियो जारी कर कहा, ये स्टूडेंट है और अपनी मन की बात करना चाहते हैं। ये देश का भविष्य है और आज बच्चे उम्रवत्तल भविष्य की बात करने आए हैं। दिल्ली पुलिस इनको डरा-धमकाकर दबा रही है और लाठीचार्ज कर रही है, जो बहुत दुःखनीय है। कलाकारों ने ये भी कहा कि वे क्वीन्स खराब होने के कारण जंतर मंतर पर नहीं पहुंच सकें कलाकार बोले, सरकार इनकी सुनने के बजाय उन्हें चुला रही है और पार्लियामेंट जाने को रोक रही है। इसी पब्लिक टिप्पणी के चलवाओं ने नेताओं को वोट देकर पार्लियामेंट तक भेजा है। अब तक देश के प्रधानमंत्री को सभी ने समर्थन किया है, लेकिन आज प्रधानमंत्री को इन स्टूडेंट के मन की बात को सुनना चाहिए और हल निकलाना चाहिए। सुर्व नमस्कार कर दुनियाभर में वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने वाले सदीया अहिले ये वीडियो जारी कर कहा, जंतर मंतर पर लाठीचार्ज हुआ, जो दुःखद निन्दनीय है। चार स्टूडेंट को चोट आई हो या पुलिससकर्मियों को। लेकिन स्टूडेंट को बात जायज है, क्योंकि देश में बार-बार पेपर लीक हो रहा है। इसका जिम्मेवार कौन है विद्यार्थियों की एक हो मांग है कि बार-बार पेपर लीक हो रहा है, इसका समाधान होना चाहिए। ये बात कहने पर स्टूडेंट पर लाठीचार्ज बरसा दी। सदीया आर्थ बोले, उनमें बिरादुरी भी ईमानदारी नहीं थी कि 15-15 साल के बच्चों पर लाठीचार्ज बरसा दी गई।

हरियाणा के 15 हजार वर्कों के लिए बड़ी राहत



पंचकूला (एजेंसी)। हरियाणा सरकार के वित्त विभाग ने प्रदेश के 15 हजार कर्लकों को राहत देने वाला आदेश बुधवार को जारी किया है। स्थिति स्पष्ट करते हुए बताया गया है कि अतिरिक्त इंड्रीमेंट कर्मचारियों की बेसिक पे का स्थायी हिस्सा होगा और भविष्य के लगभग सभी वित्तीय एवं सेवा लाभ बढ़ी हुई बेसिक पे के आधार पर मिलेंगे हरियाणा क्लेरिकल वेलेफेयर एसोसिएशन ने वित्त विभाग से मांग रखी थी कि अपने आदेश का स्पष्ट करते हुए नए आदेश जारी किए जाएं। जिस पर विभाग ने आज वित्त विभाग ने 22 जुलाई 2026 को नया क्लेरिफिकेशन जारी किया है। सरकार के इस स्पष्टीकरण से क्लर्क, सीनियर क्लर्क, असिस्टेंट और संबंधित कर्मचारियों के वेतन निर्धारण, एसपीओ, पदोन्नति, पेंशन और अन्य लाभों को लेकर चल रही अधिकांश शंकाएं समाप्त हो गई हैं। वित्त विभाग ने स्पष्ट किया है कि सीनियर क्लर्कों को मिलने वाली तीन अतिरिक्त वेतन वृद्धि तथा वर्ष 2020 बैच के क्लर्कों को मिलने वाली दो अतिरिक्त वेतन वृद्धि संबंधित कर्मचारी की मौजूदा पे-लेवल का एसपीएल की बेसिक पे में स्थायी रूप से मर्ज की जाएगी। इसका सीधा लाभ भविष्य में मिलने वाले सभी वेतन और सेवा संबंधी लाभों पर पड़ेगा। बढ़ी हुई बेसिक पे के आधार पर कर्मचारियों को महंगाई भत्ता (DA), मकान किराया भत्ता (HRA), वार्षिक वेतन वृद्धि, लाइव एनकैशमेंट, प्रमोशन पर वेतन वृद्धि, अउए/अउडए, पेंशन, रिटायरमेंट बेंचिफिट्स सहित अन्य सभी वित्तीय लाभ मिलेंगे स्पष्टीकरण में कहा गया है। अतिरिक्त इंड्रीमेंट मिलने के बावजूद कर्मचारियों की वार्षिक वेतन वृद्धि (Annual Increment) की तिथि में कोई बदलाव नहीं होगा। अगली इंड्रीमेंट निर्धारित तिथि पर ही जारी होगी। वित्त विभाग ने स्पष्ट किया है कि दो या तीन अतिरिक्त वेतन वृद्धि का लाभ 8 फरवरी 2024 से प्रभावी माना जाएगा। जिन कर्मचारियों पर यह आदेश लागू होता है, उन्हें उनकी स्थिति से संशोधित लाभ प्रदान किया जाएगा यदि किसी क्लर्क को 8 फरवरी 2024 के आदेश के तहत अतिरिक्त इंड्रीमेंट मिलने के बाद असिस्टेंट पद पर पदोन्नति मिल चुकी है, तब भी संशोधित आदेश के अनुसार उसे पूरा लाभ मिलेगा। ऐसे मामलों में हरियाणा 2016 सेवा (वेतन) नियम, 2016 के तहत वेतन का पुनर्निर्धारण किया जाएगा। यदि अतिरिक्त इंड्रीमेंट के कारण किसी जूनियर कर्मचारी का वेतन वरिष्ठ कर्मचारी से अधिक हो जाता है, तो ऐसे मामलों का निराकरण वित्त विभाग प्रत्येक कर्मचारी के सेवा रिकॉर्ड और तथ्यों के आधार पर अलग-अलग करेगा।

(DA), मकान किराया भत्ता (HRA), वार्षिक वेतन वृद्धि, लीव एनकेशनमेंट, प्रमोशन पर वेतन निर्धारण, अड्ड/अडलड, पेंशन, रिटायरमेंट बेंनिफिट्स सहित अन्य सभी वित्तीय लाभ मिलेंगे एस्पैक्शन में कहा गया है कि अतिरिक्त इंक्रीमेंट मिलने के बावजूद कर्मचारियों की वार्षिक वेतन वृद्धि (Annual Increment) की तिथि में कोई बदलाव नहीं होगा। अगली इंक्रीमेंट निर्धारित तिथि पर ही जारी होगी। वित्त विभाग ने स्पष्ट किया है कि दो या तीन अतिरिक्त वेतन वृद्धि का लाभ 8 फरवरी 2024 से प्रभावी माना जाएगा। जिन कर्मचारियों पर यह आदेश लागू होता है, उन्हें उस तिथि से संशोधित लाभ प्रदान किया जाएगा यदि किसी क्लर्क को 8 फरवरी 2024 के आदेश के तहत अतिरिक्त इंक्रीमेंट मिलने के बाद असिस्टेंट पद पर पदोन्नति मिल चुकी है, तब भी संशोधित आदेश के अनुसार उसे पूरा लाभ मिलेगा। ऐसे मामलों में हरियाणा सिविल सेवा (वेतन) नियम, 2016 के तहत वेतन का पुनर्निर्धारण किया जाएगा। यदि अतिरिक्त इंक्रीमेंट के कारण किसी जूनियर कर्मचारी का वेतन वरिष्ठ कर्मचारी से अधिक हो जाता है, तो ऐसे मामलों का निस्तारण वित्त विभाग प्रत्येक कर्मचारी के सेवा रिकॉर्ड और तथ्यों के आधार पर अलग-अलग करेगा।



मगर, इससे पहले ही प्रोटेस्ट कर रहे दोनों सपा नेता अपने बैनर लेकर वहां से खिसक लिए। इसके बाद पुलिस ने अस्पताल की सिक्वियरी को और टाइट कर दिया। बिना आईडी और कारण बताए किसी को अंदर नहीं जाने दिया जा रहा।

उधर, मेदांता सुत्रों के मुताबिक, सफ़रदजंग अस्पताल से वांगचुक की मेडिकल हिस्ट्री मिलने के बाद

मेदांता के डॉक्टरों की टीम ने उनका इलाज शुरू कर दिया है। फिलहाल उन्हें डिप्थी के जरिए लिंक्विड डाइट दी जा रही है। उनकी हालत स्थिर है और वे खतरे से बाहर हैं। हालांकि, अभी तक इससे रिलेटेड हेल्थ बुलेटिन जारी नहीं हुआ है। सूत्रों के अनुसार, सरकार ने वांचुक् को से बाचतौत की पहल की है। मंगलवार रात केंद्रीय मंत्री जेपी

गुरुग्राम मेदांता हॉस्पिटल में भी प्रोटेस्ट, यहां वांगचुक भर्ती

हरियाणा (एजेंसी)। लड़ाख के मुद्दों और छात्रों के समर्थन में पिछले 25 दिनों से अनशन कर रहे सोनम वांगचुक को गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मंगलवार शाम करीब साढ़े 7 बजे दिल्ली पुलिस की टीमें उन्हें सोनमफरज अस्पताल से यहां लेकर पहुंचीं।

अस्पताल में श्री लोचर सुरक्षा व्यवस्था की गई है। मापर, पुलिस की चकमा देकर समाजवादी पार्टी के दो नेता अस्पताल परिसर में धरने पर बैठ गए हैं। दोनों हाथों में बैनर और तख्ती लिए हैं। इनमें एक कांग्रेस उर्फ फ्रंटलिन दीक्षित है, जिन्होंने 2022 में प्रधानमंत्री मोदी के खास प्रत्याशी नीलकंठ तिवारी के खिलाफ साउथ वाराणसी से विधानसभा चुनाव लड़ा था। इस चुनाव में तिवारी की जीत हुई थी।

इसकी सूचना मिलते ही गुरुग्राम सदर पुलिस एफबीटव हुई और तुरंत ही कई टीमें अस्पताल पहुंचीं।

कुरुक्षेत्र पहुंचे कैबिनेट मंत्री कृष्ण लाल पंवार

कुरुक्षेत्र (एनसी)। बुधवार को होने वाली ग्रीवेंस समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता हरियाणा के कैबिनेट मंत्री कृष्ण लाल पंचार ने की। बैठक में 11 शिकायतों पर सुनवाई होगी, एंजेंडे में 5 ऐसी शिकायतें शामिल हैं, जिन्हें पिछली बैठक में लांबित रखा गया था, जबकि 6 नए शिकायतों पर पहली बार सुनवाई होगी। इनमें अंशल सिटी में मूलभूत सुविधाओं की कमी, को-ऑपरेटिव सोसाइटी में गड़बड़ी, प्राइवेट अस्पताल को लीज लेने वाले के साथ डॉक्टर की कथित धोखाधड़ी, बिजली लाइन हटाने का विवाद, दो परिवारों के बीच गंभीर आरोप-



प्रत्यारोप, आशा वर्कर को अश्लील वीडियो बेचने और गांव की सरपंच की शिकायत जैसे नए मामले शामिल हैं। ग्रीवेंस कमिटी की पिछली बैठक में जिन शिकायतों का समाधान नहीं हो सका था, उन्हें इस बार फिर एजेंडे में रखा गया है। इनमें सबसे प्रमुख मामला अंशल शर्मा की सिटी में सड़क, सीवर, स्ट्रीट लाइट

और अन्य मूलभूत सुविधाओं की कमी से जुड़ा है। इसके अलावा किरमिच की को-ऑपरेटिव सोसाइटी में कथित गड़बड़ियों, प्राइवेट अस्पताल को लीज पर देना में धोखाधड़ी के आरोप और किरमिच रोड से बिजली की लाइन-हटाने के विवाद पर भी दोबारा सुनवाई होगी। दो परिवारों के विवाद

कांग्रेस प्रोटेस्ट पीएम मोदी के पुतले को चप्पलों से पीटा

हरियाणा (एजेंसी)। काँकरोच जनता पार्टी के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान हुए लाठीचार्ज और राहुल गांधी की गिरफ्तारी के विरोध में हरियाणा कांग्रेस ने बुधवार को धरना-प्रदर्शन किया है। यमुनानगर में कांग्रेसियों ने धरना-प्रदर्शन के बाद पीएम मोदी के पुतले को लाठी-चपलों से पीटा और फिर आग के हवाले कर दिया।



फूट फिर से उजागर हो गई। पंचकूला, कुरुक्षेत्र और करनाल में भी धरना-प्रदर्शन हुआ। वहीं, सफेदहाबाद में विभिन्न संगठनों के सदस्यों ने पैदल मार्च निकाला और भाजपा सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। सिरसा में जजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भी लाठीचार्ज की घटना के विरोध में विधु सचिवालय के गेट पर धरना दिया। मंगलवार को दिल्ली में राहल



करीब एक घंटे बाद ही पुलिस ने इन नेताओं को छोड़ दिया था। देशभर के छात्रों की न्यायोचित मांगों को लेकर चल रहे शांतिपूर्ण आंदोलन पर लाठीचार्ज तथा पेपर लीक के विरोध में शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड्गे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा, कांग्रेस सांसदों, नेताओं एवं छात्रों का हृदय दमन और बर्बर

कार्वाई के विरोध में हरियाणा कांग्रेस द्वारा जोरदार प्रदर्शन किया जाएगा। कुरुक्षेत्र में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह और प्रभारी संजय दत्त ने CTM आशीष कुमार को ज्ञापन दिया। इससे पहले करीब आधे लघु सचिवालय पर राव प्रदर्शन भी किया। दिल्ली जंतर मंतर पर स्टूडेंट एवं युवाओं पर पुलिस द्वारा लाठीचार्ज किए जाने के विरोध में जननायक जनता पार्टी (JJP) ने

जनता दर्शन की शिकायत पर डीएम का सख्त एक्शन: गोण्डा में अवैध शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, दो भड़ियां ध्वस्त, 40 लीटर कच्ची शराब बरामद



स्वदेश प्रेम, रमजान अली। गोण्डा जनता दर्शन में प्राप्त शिकायतों के त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण के प्रति जिला प्रशासन की प्रतिबद्धता एक बार फिर देखने को मिली। जिलाधिकारी महोदय गोण्डा के निर्देश पर नगर मजिस्ट्रेट गोण्डा के कुशल नेतृत्व में मंगलवार, 21 जुलाई 2026 को आबकारी विभाग एवं पुलिस की संयुक्त टीम ने थाना कोतवाली नगर क्षेत्र के ग्राम खिराभा में अवैध शराब के विरुद्ध सघन छापेमारी अभियान चलाया। संयुक्त टीम की दबिश के दौरान मौके पर दो अवैध शराब की भड़ियां संचालित होती मिलीं, जिन्हें तत्काल ध्वस्त कर दिया गया। अभियान के दौरान लगभग 40 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद की गई। साथ ही शराब निर्माण में प्रयुक्त करीब 400 किलोग्राम लहन को मौके पर ही नष्ट कर दिया गया, जिससे अवैध शराब बनाने की पूरी व्यवस्था ध्वस्त हो गई। इस मामले में उत्तर प्रदेश आबकारी अधिनियम की सुसंगत धाराओं के अंतर्गत दो व्यक्तियों के विरुद्ध थाना कोतवाली नगर में एफआईआर दर्ज कराई गई है। संबंधित आरोपियों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई की जा रही है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जनपद में अवैध शराब के निर्माण, बिक्री और तस्करी के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा। कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा और दोषियों के विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। यह कार्रवाई इस बात का प्रमाण है कि जनता दर्शन में प्राप्त शिकायतों पर जिला प्रशासन गंभीरता से कार्य करते हुए आमजन को त्वरित न्याय दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है।

सभी घरों तक पहुंचे कचरा वाहन, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को प्रभावी बनाने के निर्देश



स्वदेश प्रेम शान मोहम्मद सिद्दीकी मंदसौर। कलेक्टर अदिती गर्ग ने ठोस एवं अपशिष्ट प्रबंधन व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से सीतामऊ एवं सुवासरा में स्थानीय जगप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक के दौरान कलेक्टर ने निर्देश दिए कि प्रत्येक घर तक नियमित रूप से कचरा वाहन पहुंचे और इस व्यवस्था की सतत निगरानी की जाए। उन्होंने कहा कि स्वच्छता अभियान को सफल बनाने के लिए घर-घर से कचरा संग्रहण सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है। बैठक में संयुक्त कलेक्टर प्रीति संघवी, सीतामऊ एसडीएम शिवानी गर्ग, तहसीलदार, मुख्य नगर पालिका अधिकारी सीतामऊ एवं सुवासरा, दोनों नगर परिषदों के अध्यक्ष, समाजसेवी तथा सफाई कर्मचारी उपस्थित रहे। इस दौरान नटनागर शोध संस्थान, सीतामऊ एवं शासकीय महाविद्यालय, सुवासरा में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2026 के अंतर्गत बैठक आयोजित की गई, जिसमें स्वच्छता, कचरा प्रबंधन तथा जनजागरूकता से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए तथा स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण के निर्माण के लिए सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें।

कांवड़ यात्रा के दृष्टिगत पुलिसकर्मियों को व्यवहारिक प्रशिक्षण

बुलंदशहर : मेरठ श्रावण मास की कांवड़ यात्रा-2026 को सकुशल, सुरक्षित एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के उद्देश्य से पुलिस उपमहानिरीक्षक मेरठ परिक्षेत्र कलानिधि नैथानी ने परिक्षेत्र के समस्त जगपदों में कांवड़ ड्यूटी में तैनात किए जाने वाले पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों का गुप्त बनावर उनको बेहतर आचरण हेतु गुप्तवार व्यवहारिक (Practical) प्रशिक्षण प्रदान करने तथा कांवड़ मार्गों का व्यापक भौतिक सत्यापन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए हैं। पुलिस कर्मियों को व्यवहारिक प्रशिक्षण के निर्देशों के क्रम में निर्देशित किया गया है कि ड्यूटी पर तैनात प्रत्येक पुलिसकर्मी को भीड़ प्रबंधन, आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई, श्रद्धालुओं विशेषकर महिलाओं, वृद्धजनों एवं बच्चों के साथ शालीन एवं संवेदनशील व्यवहार, विपरीत परिस्थितियों में धैर्य एवं संयम बनाए रखते हुए कर्तव्यों के निर्वहन आदि विषयों पर पुलिस कर्मियों को गुप्तवार व्यवहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाए। करने तथा कांवड़ मार्गों का व्यापक भौतिक सत्यापन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए हैं।

मिशन शक्ति को नई उड़ान: गोण्डा में विद्युत सखियों को मिले थर्मल प्रिंटर, उत्कृष्ट स्वयं सहायता समूह की महिलाओं का हुआ भव्य सम्मान

स्वदेश प्रेम, रमजान अली। गोण्डा महिला सशक्तिकरण, आत्मनिर्भरता एवं ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में संचालित "मिशन शक्ति" अभियान के अंतर्गत मंगलवार को जिला पंचायत सभागार, गोण्डा में एक भव्य संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाधिकारी श्रीमती प्रियंका निरंजन ने की। इस अवसर पर स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं, विशेष रूप से विद्युत सखियों, को उनके कार्यों को अधिक प्रभावी एवं तकनीकी रूप से सक्षम बनाने के उद्देश्य से थर्मल प्रिंटर वितरित किए गए। साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में



उत्कृष्ट कार्य करने वाली स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी श्रीमती प्रियंका निरंजन ने कहा कि मिशन शक्ति

केवल एक सरकारी योजना नहीं, बल्कि महिलाओं को आत्मनिर्भर, स्वावलंबी और सम्मानजनक पहचान दिलाने का सशक्त जनआंदोलन है। उन्होंने कहा कि स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं आज ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई



दिशा देने के साथ-साथ विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने विद्युत सखियों द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली बिल संग्रह, उपभोक्ता सेवाओं

जनजागरूकता के क्षेत्र में किए जा रहे सराहनीय कार्यों को प्रशंसा करते हुए कहा कि थर्मल प्रिंटर उपलब्ध होने से उनकी कार्यक्षमता और अधिक बढ़ेगी तथा ग्रामीण उपभोक्ताओं को तेज, पारदर्शी और बेहतर सेवाएं प्राप्त होंगी।

जिलाधिकारी ने सम्मानित महिलाओं को बधाई देते हुए कहा कि उनका उत्कृष्ट कार्य समाज की अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने महिलाओं से समूह आधारित आजीविका गतिविधियों का विस्तार करने, स्वरोजगार के नए अवसरों का लाभ उठाने तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से अधिकाधिक महिलाओं को जोड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन महिलाओं के आर्थिक, सामाजिक एवं डिजिटल सशक्तिकरण के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है।

माथुरवैश्य शाखा सभा वाराणसी के दसवें रक्तदान शिविर में 105 यूनिट रक्त संग्रह, रक्तवीरों का हुआ सम्मान



(संतोष कुमार सिंह) वाराणसी :- माथुरवैश्य शाखा सभा वाराणसी द्वारा रथयात्रा स्थित कन्हैया लाल गुप्ता स्मृति भवन मे रक्तदान शिविर का किया गया आयोजन े शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि आनन्द सिंह राजपूत (चीफ फायर ऑफिसर वाराणसी) एवं अशोक गुप्ता (निर्वातमान राष्ट्रीय अध्यक्ष) अखिल भारतीय माथुरवैश्य महासभा के द्वारा फेता काटकर एवं गणेश जी पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित कर किया गया े माथुरवैश्य शाखा सभा वाराणसी शहर अध्यक्ष दिलीप कुमार गुप्ता द्वारा मुख्य अतिथियों को माल्यार्पण कर और दुग्गुल पहनाकर सम्मानित किया गया े उक्त कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि सुनील गुप्ता निवर्तमान राष्ट्रीय महामंत्री अखिल भारतीय माथुरवैश्य महासभा एवं पूर्वचल मंडल प्रमुख शालिनी गुप्ता उपस्थित रहे जिनका सम्मान अंजय गुप्ता एवं इसमिता द्वारा किया गया े निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष माथुरवैश्य महासभा द्वारा रक्तवीर विवेक सोनी निवर्तमान निर्वाचन मंत्री अखिल भारतीय माथुर वैश्य महासभा को दुग्गुल एवं माला पहनाकर सम्मानित किया गया े कार्यक्रम मे दिलीप गुप्ता (रविन्द्रपुरी),अनिल गुप्ता (शिवपुर) व सुबोध गुप्ता का विशेष सहयोग प्राप्त रहा तथा माथुरवैश्य महिला मंडल,माथुरवैश्य सेवा दल का भी सहयोग प्राप्त रहा े रक्त संकलन एसएसपीजी मंडलीय जिला



चिकित्सालय वाराणसी की डॉक्टर टीम की देखरेख मे सम्पन्न हुआ जिसमें 105 यूनिट रक्तदान हुआ संस्था द्वारा सभी डॉक्टरों को माल्यार्पण कर सम्मानित किया गया े सभी रक्तदान करने वालों को संस्था ने प्रिंस्मेन्ट कॉफी फल तथा एक- एक उपहार तथा प्रमाण पत्र से सम्मानित किया े संस्था ने इस शिविर को सुचारु रूप से चलाने हेतु कार्यक्रम संयोजक गौरव गुप्ता और सह संयोजक मनीष गुप्ता को शिविर की जिम्मेदारी दिया े रक्तदान शिविर मे दिलीप कुमार गुप्ता अध्यक्ष,मयंक सोनी मंत्री अंजय गुप्ता उपाध्यक्ष,राकेश गुप्ता कोषाध्यक्ष,उमेश गुप्ता बाबू कोष निरीक्षक,सन्तोष गुप्ता केन्द्रीय कार्य

समिति सदस्य तथा कार्यकारिणी सदस्य गौरव सोनी राकेश गुप्ता ,सुमित गुप्ता,कुलदीप गुप्ता, दिलीप गुप्ता,संरक्षक मंडल से किशन गुप्ता, राजीव गुप्ता,विवेक सोनी,अनिल गुप्ता, दिलीप गुप्ता व एवं कार्यकारिणी तथा महिला मंडल से अध्यक्ष सिमता गुप्ता व उनकी टीम,सेवादल अध्यक्ष कुणाल गुप्ता व उनकी टीम के युवा सदस्यगण व समाज के कई गणमान्य जन उपस्थित रहे े रक्तदान महादान है और हम रक्तदान कर किसी के जीवन को बचाने का प्रयास कर सकते हैं े इस तरह के विचारों के साथ सभी रक्तदाताओं सहयोगियों का धन्यवाद ज्ञापन व संचालन माथुर वैश्य शाखा सभा मंत्री मयंक सोनी ने किया े

बैंक ऑफ बड़ौदा ने 119वां स्थापना दिवस सेवा,स्वास्थ्य,पर्यावरण संरक्षण एवं सांस्कृतिक उत्सव के साथ मनाया

(संतोष कुमार सिंह) वाराणसी :- देश के अग्रणी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक,बैंक ऑफ बड़ौदा ने अपने 119वें स्थापना दिवस के अवसर पर वाराणसी में सेवा,स्वास्थ्य,पर्यावरण संरक्षण एवं सांस्कृतिक एकता को समर्पित विविध कार्यक्रमों का भव्य आयोजन किया े स्थापना दिवस समारोह की शुरुआत प्रातः छह बजे बैंक ऑफ बड़ौदा गुरुधाम शाखा से आयोजित वॉकथॉन के साथ हुई े वॉकथॉन गुरुधाम शाखा से प्रारंभ होकर दुगाकुंड एवं रविंद्रपुरी मार्ग से होते हुए पुनः गुरुधाम शाखा पर सम्पन्न हुई े इस दौरान प्रतिभागियों ने स्वास्थ्य,वृक्षारोपण, पर्यावरण संरक्षण,साइबर सुरक्षा एवं सामाजिक जागरूकता का संस्था दिया े इसके उपरांत प्रातः ग्यारह बजे पर्यावरण संरक्षण के संकल्प के साथ बाल उद्यान पार्क,बीएलडब्ल्यू एवं कैवल्या धाम पार्क, दुगाकुंड में 119 पौधों का वृक्षारोपण किया गया े इस अवसर पर बैंक के कार्यपालक,वरिष्ठ अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की े सार्यकाल स्वतंत्रता भवन काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (बीएचयू) में स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में भव्य सांस्कृतिक समारोह का आयोजन किया गया े कार्यक्रम का शुभारंभ बैंक ऑफ बड़ौदा के संस्थापक सर सियाजीराव गायकवाड़ तृतीय को पुष्पांजलि अर्पित कर की गई े कार्यक्रम का स्वागत सम्बोधन मनोज कुमार बक्शी, उप महाप्रबंधक (Compliance & Assurance) द्वारा किया गया े कार्यक्रम मिथिलेश कुमार महाप्रबंधक वाराणसी अंचल के अध्यक्षता मे सम्पन्न हुई े इस अवसर पर अपने



संबोधन में मिथिलेश कुमार ने कहा कि बैंक ऑफ बड़ौदा की 119 वर्षों की गौरवशाली यात्रा ग्राहकों के विश्वास,कर्मचारियों के समर्पण एवं उत्कृष्ट कार्य संस्कृति का परिणाम है े उन्होंने कहा कि बैंक केवल उत्कृष्ट बैंकिंग सेवाएं ही नहीं,बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व,पर्यावरण संरक्षण एवं सामुदायिक विकास के क्षेत्र में भी निरंतर अग्रणी भूमिका निभा रहा है े उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से बैंक की गौरवशाली परंपराओं को आगे बढ़ाते हुए ग्राहक सेवा में उत्कृष्टता बनाए रखने तथा समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निरंतर निर्वहन करने का आह्वान किया े इस कार्यक्रम मे बैंक के स्टाफ सदस्य एवं सेवानिवृत्त स्टाफ सदस्य ने भाग लिया े भारत भूषण क्षेत्रीय प्रमुख वाराणसी क्षेत्र ने कार्यक्रम मे सम्बोधन दिया एवं समापन सम्बोधन भोला नाथ निवेदी,उप महाप्रबंधक (Business Development,वाराणसी अंचल द्वारा की गई े

मजदूरों के आग्रह पर कालाखेत चौराहे पहुँचे ब्लॉक कांग्रेस महासचिव मजहर खान, सुनीं मजदूरों की समस्याएँ

स्वदेश प्रेम-मंदसौर शहर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के महासचिव मजहर खान मजदूरों के आग्रह पर कालाखेत चौराहे पहुँचे, जहाँ उन्होंने रोजगार की तलाश में खड़े रहने वाले मजदूर भाइयों एवं बहनों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना। प्रतिदिन लगभग 100 से 150 मजदूर रोजगार की तलाश में कालाखेत चौराहे पर एकत्रित होते हैं और हर मौसम में घंटों खुले आसमान के नीचे इंतजार करने को मजबूर रहते हैं। मजदूरों ने बताया कि उनके लिए शौचालय की कोई व्यवस्था नहीं है, जिससे विशेष रूप से महिला मजदूरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। साथ ही मजदूरों के लिए कोई व्यवस्थित प्रतीक्षालय उपलब्ध नहीं है। मजदूरों ने मांग की कि कालाखेत चौराहे पर डायल-112 पुलिस वाहन का स्थायी प्वाइंट बनाया जाए, ताकि वहाँ हमेशा पुलिस की मौजूदगी बनी रहे और किसी भी प्रकार के विवाद या अग्रिय घटना की स्थिति में तत्काल सहायता मिल सके। इससे मजदूर सुरक्षित वातावरण में काम की प्रतीक्षा कर सकेंगे। चर्चा के दौरान यह भी सामने आया कि कई मजदूरों के श्रमिक पंजीयन (श्रमिक डायरी), ई-श्रम कार्ड एवं आयुष्मान भारत कार्ड अब तक नहीं बने हैं, जिसके कारण वे सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ नहीं ले पा रहे हैं। मजदूरों ने यह भी मांग की कि सरकार की मौजूदगी से रियायती दर पर भोजन योजना शुरू की जाए, ताकि जहाँ प्रतिदिन मजदूर काम की तलाश में एकत्रित होते हैं, वहीं उन्हें कम कीमत में पौष्टिक एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध हो सके। मुलाकात के दौरान कई मजदूरों ने अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए कहा कि मजदूर दिवस जैसे अवसरों पर जनप्रतिनिधि और सामाजिक संगठन उनसे मिलने आते हैं, सम्मान करते हैं और उनकी समस्याओं को सुनते हैं,



लेकिन इसके बाद उनकी समस्याओं के समाधान के लिए न तो कोई नियमित पहल होती है और न ही कोई जिम्मेदार आगे आकर उनकी सुध लेता है। मजदूरों ने अपेक्षा जताई कि उनका हाल केवल विशेष अवसरों पर नहीं, बल्कि पूरे वर्ष नियमित रूप से जाना जाए और उनकी मूलभूत समस्याओं के स्थायी समाधान के लिए ठोस प्रयास किए जाएँ। तथा अवसर पर मजहर खान ने कहा कि मेहनतकश मजदूर हमारे समाज की रीढ़ हैं और उनकी तकलीफें हमारी साझा जिम्मेदारी हैं। उन्होंने मजदूरों को आश्चस्त किया कि उनकी सभी समस्याओं और मांगों से क्षेत्रीय विधायक श्री विजिन जी जैन, जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्री मेहन्र सिंह गुर्जर, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष श्री मोहम्मद हनीफ शेख, ब्लॉक अध्यक्ष श्रीमती इष्टा भावावत, नगरपालिका परिषद, संबंधित विभागों को अवगत कराया जाएगा तथा आवश्यक सुविधाओं के संबंध में संबंधित अधिकारियों से चर्चा कर उनके समाधान के लिए हस्तक्षेप प्रयास किए जाएँगे। मजहर खान ने कहा कि समाज और प्रदेश के विकास में मजदूरों का महत्वपूर्ण योगदान है। इसलिए उनकी सुरक्षा, सम्मान और मूलभूत सुविधाएँ सुनिश्चित करना हम सभी की साझा जिम्मेदारी है। इस अवसर पर मंसलम अध्यक्ष वकार खान एवं अरबाज मंसुरी भी उपस्थित रहे।

एक लाख से दो लाख उद्यमी आत्मनिर्भर भारत का निर्माण कर रहे हैं : चिराग पासवान

(संतोष कुमार सिंह) वाराणसी :- जब 2020 में कोविड-19 महामारी ने लोगों के जीवन और आजीविका पर बुरा असर डाला,तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महसूस किया कि फिर से पूर्वस्थिति बहाल करने की प्रक्रिया केवल बड़े उद्योगों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए े इसे सबसे छोटे उदादकों और उद्यमों तक भी पहुँचना चाहिए,खासकर उन उद्यमों तक जो भारत के गाँवों और छोटे शहरों में कार्यरत हैं े इस उद्देश्य के साथ उन साल,आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम औपचारिकीकरण योजना शुरू की गई थी े इसकी शुरुआत खाद्य अर्थव्यवस्था के सह हिस्से के साथ हुई जो लंबे समय तक औपचारिक वित्त और संस्थागत समर्थन से बाहर रहा था सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण जो पहले ही उत्पादन व बिक्री कर रहे थे और कुछ

लोगों को रोजगार दे रहे थे लेकिन जिनके पास आगे बढ़ने के लिए आवश्यक पूंजी या मार्गदर्शन नहीं था े यह योजना उस विश्वास को प्रतिबिंबित करती है जिसे प्रधानमंत्री लगातार मानते रहे हैं कि भारत की वृद्धि इसके आधार से शुरू होनी चाहिए यानि उन लोगों के बीच जो अपने खुद के उद्यम शुरू करना चाहते हैं े पीएमएफएमई के ऋण से जुड़े घटक के तहत अब तक दो लाख से अधिक मंजूरियां दी जा चुकी हैं यह उपलब्धि इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इसके पीछे वे उद्यमी हैं जो औपचारिक ऋण-प्रणाली से जुड़े हैं और जिन्हें अपने उद्यम-निर्माण का असली मौका मिला है े यह जश्न मनाने लायक उपलब्धि है और उन लोगों का सम्मान करने का अवसर है जिन्होंने इसे संभव बनाया है े इनमें सबसे पहले व्यक्ति जमनालाल पाटीदार थे जिनका आवेदन पीएमएफएमई के तहत सबसे

पहले मंजूर किया गया था े दसवीं पास इस उद्यमी के पास खाद्य प्रसंस्करण का कोई अनुभव नहीं था लेकिन इन्होंने दस लाख रुपए के निवेश के साथ धनिया प्रसंस्करण इकाई शुरू की े इस योजना की मदद से उन्हें वित्त,मशीनरी और मार्गदर्शन की सुविधा मिली और उनका विचार एक कामयाब व्यवसाय में बदल गया जो आज पाँच से ज्यादा लोगों को रोजगार देता है उसकी कहानी एक सरल बात बताती है े उद्यमिता केवल अच्छे परिवार या अच्छे शिक्षा प्राप्त लोगों का विशेषाधिकार नहीं है यह इस बात पर निर्भर करता है कि क्या कोई व्यक्ति अपने विचार को क्रियान्वित करने के लिए लंबे समय से छोटे स्तर पर काम करने वाले लाखों कुशल उद्यमी मौजूद रहे हैं जो विशिष्ट स्थानीय उत्पाद बनाते हैं इनमें दूसरों को रोजगार देने में सक्षम बनाकर, पीएमएफएमई योजना प्रधानमंत्री के उस



विजन को आगे बढ़ा रही है जिसमें नौकरी चाहने वालों को नौकरी देने वाले में बदलने की बात कही गयी है े भारत में लंबे समय से छोटे स्तर पर काम करने वाले लाखों कुशल उद्यमी मौजूद रहे हैं जो विशिष्ट स्थानीय उत्पाद बनाते हैं इनमें से कई लोगों के पास किरायाती वित्त, आधुनिक तकनीक,गुणवत्ता प्रमाणन और

संगठित बाजार तक पहुँच की कमी थी े यह योजना ऋण से जुड़ी सहायता,क्षमता निर्माण,साझा अवसररचना,ब्रांडिंग और बाजार पहुँच के जरिये इन कमियों को दूर करने के लिए बनाई गई थी े इस योजना का उद्देश्य अनौपचारिक उद्यमों को औपचारिक अर्थव्यवस्था में लाना था ताकि उनके पास आगे बढ़ने का वास्तविक अवसर हो े इस बदलाव में महिलाओं की प्रमुख भूमिका रही है े ऋण से जुड़ी दो लाख मंजूरियों में से लगभग 44 प्रतिशत का लाभ महिलाओं के नेतृत्व वाले उद्यमों को मिला है जबकि चार लाख से अधिक स्ख- सहायता समूह के सदस्यों ने अपने लंबे समय से छोटे स्तर पर काम करने वाले लाखों कुशल उद्यमी मौजूद रहे हैं जो विशिष्ट स्थानीय उत्पाद बनाते हैं इनमें से कई लोगों के पास किरायाती वित्त, आधुनिक तकनीक,गुणवत्ता प्रमाणन और

के अवसर पैदा हुए हैं े 75,000 से अधिक इकाइयाँ उद्यम पंजीकरण और एफएमएसएआई व जीएसटी के तहत अनुपालन के माध्यम से औपचारिक अर्थव्यवस्था का हिस्सा बन चुकी हैं े कई महिलाओं के लिए इसका मतलब है घर या समुदाय में अभ्यास किये जाने वाले हुनर को ऐसे मायता प्राप्त उद्यमों में बदलना,जहाँ उन्हें वित्त,तकनीक और बड़े बाजारों तक पहुँच मिल सके े इस बदलाव में अन्य महिलाओं को मदद करना अगले चरण की प्राथमिकता होनी चाहिए े इनमें से प्रत्येक संख्या के पीछे एक बड़ा लक्ष्य छिपा है एक कामकाजी उद्यमी किसान की उपज खरीदता है हर फसल के बाद होने वाले नुकसान को कम करता है और अधिक मूल्य वहीं रखता है जहाँ इसे बनाया गया है े एक स्थानीय फसल ब्रांडेड उत्पाद बन जाती है एक घरेलू

कौशल स्थायी रोजगार बन जाता है समय के साथ,एक जिले की पहचान उसके द्वारा बनाई गयी चीजों से होने लगती है व्यावहारिक तौर पर यही वोकल फॉर लोकल है एक समय में एक उद्यम पीएमएफएमई के तहत दो लाखवीं मंजूरी रांची के इंटरजीत सिंह को मिली जो एक बेकरी बना रहे हैं और सपना देखते हैं कि उनके कैंड और पेस्ट्री एक दिन पूरे झारखंड में मशहूर होंगे े पूर्व के पाटीदार की तरह वे छोटे उद्यम और बड़ी महत्वाकांक्षा के साथ शुरूआत कर रहे हैं और उन्हें योजना का सहारा भी मिल रहा है वे पहली पीढ़ी के हजारों उद्यमियों में से एक हैं जिन्हें पीएमएफएमई योजना पहली मंजूरी से एक सफल उद्यम तक पहुंचा रही है े अगर पाटीदार दिखाते हैं कि यह यात्रा कितनी दूर तक जा सकती है तो सिंह दिखाते हैं कि यह अभी और गति पकड़ रही है े



‘सिटी ब्यूटीफुल’ फिल्म मेरे लिए घर वापसी जैसा है

लोकप्रिय अभिनेत्री अपूर्वा अरोड़ा ने आगामी पंजाबी क्राइम थ्रिलर फिल्म ‘सिटी ब्यूटीफुल’ से पंजाबी सिनेमा में वापसी की है। पंजाबी सिनेमा से अपने करियर की शुरुआत करने वाली अभिनेत्री फिल्म को घर वापसी बताया। खास बातचीत में अभिनेत्री ने बताया कि इससे पहले वे पंजाबी सिनेमा में गायक और अभिनेता दिलजीत दोसांझ के साथ ‘डिस्को सिंह’ में नजर आई थीं, जिसके बाद से वे अच्छी स्क्रिप्ट का इंतजार कर रही थीं, जो उन्हें सच में इंडस्ट्री में वापस लाए और ‘सिटी ब्यूटीफुल’ वह प्रोजेक्ट निकला। अभिनेत्री अपूर्वा ने कहा, ‘यह फिल्म मेरे लिए सच में एक घर वापसी जैसा है। इस फिल्म की कहानी ने मुझे तुरंत मुझसे कनेक्ट कर दिया। मैं अभी अपने कैरेक्टर के बारे में ज्यादा कुछ नहीं बता सकती, लेकिन मैं कह सकती हूँ कि यह एक शानदार अनुभव रहा है। अभिनेत्री अपूर्वा अरोड़ा ने बताया कि उन्होंने अपने करियर की शुरुआत पंजाबी सिनेमा से की, जिस वजह से पंजाब हमेशा से ही मेरे लिए खास रहा है और आगे भी रहेगा। उन्होंने अपनी भावनाएं शेयर करते हुए कहा, ‘इतने वर्षों बाद वापस आना अजीब लगता है, हालांकि शूटिंग खत्म होने के बाद मैं अमृतसर के गोल्डन टेंपल आशीर्वाद लेने के लिए जरूर जाऊंगी। यह इस खूबसूरत सफर को खत्म करने का सबसे अच्छा तरीका लगता है।’ अपूर्वा अरोड़ा हाल ही में हरियाणा की ग्रामीण पृष्ठभूमि पर बनी फिल्म ‘मोमाकू’ में नजर आई थीं। इस फिल्म का पूरा नाम ‘मोटर, माचिस और कटर’ है। यह एक सस्पेंस, थ्रिल और कॉमेडी से भरपूर फिल्म है, जिसमें अभिनेत्री ने ‘पिकी’ नाम की मुख्य भूमिका निभाई है। इस फिल्म में उनके साथ जतिन सरना, यशपाल शर्मा और तुषार दत्त जैसे कलाकार भी महत्वपूर्ण किरदारों में नजर आएंगे।



फिल्म ‘रणबाली’ में पति विजय देवरकोंडा के साथ नजर आएंगी रश्मिका मंदाना

रश्मिका मंदाना इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म ‘कॉकटेल 2’ की सफलता का आनंद ले रही हैं। इस बीच फैंस को एक्ट्रेस की अगली फिल्म ‘रणबाली’ का बेसब्री से इंतजार है। इस फिल्म में रश्मिका अपने पति व अभिनेता विजय देवरकोंडा के साथ नजर आएंगी। हाल ही में रश्मिका मंदाना ने एक फिल्म से जुड़ी एक क्रिप्टिक पोस्ट से विजय देवरकोंडा के ‘रणबाली’ अवतार को लेकर नई उत्सुकता जगा दी है। बहुत कम जानकारी देते हुए एक्ट्रेस ने बताया कि टीम जो बना रही है, वह बेहद डरावना है। इससे विजय के ट्रांसफॉर्मेशन और फिल्म को लेकर चर्चा और बढ़ गई है। रश्मिका ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर ‘रणबाली’ के सेट से विजय देवरकोंडा की एक धुंधली तस्वीर शेयर की। हालांकि, तस्वीर से बहुत कम जानकारी मिली, लेकिन उनके कैप्शन ने सस्पेंस बना दिया। उन्होंने विजय देवरकोंडा और डायरेक्टर राहुल सांकृत्यायन को टैग करते हुए लिखा, ‘मुझे नहीं पता कि मैं अभी आप लोगों को यह दिखा सकती हूँ या नहीं। उम्मीद है कि वे मुझे इसे हटाने के लिए नहीं कहेंगे, जैसा कि पहले कई बार हुआ है। लेकिन ये लड़के कुछ बहुत डरावना कर रहे हैं और मैं खुद को रोक नहीं पाई। मैं इसे बड़े पर्दे पर देखने का बेसब्री से इंतजार कर रही हूँ।’



ओटीटी के बोल्ड कंटेंट पर ईशा सिंह ने रखी बेबाक राय

टेलीविजन अभिनेत्री ईशा सिंह रियलिटी शो ‘बिग बॉस’ सीजन-18 में नजर आई थीं। वह शो की फाइनलिस्ट बनीं और शानदार तरीके से खेले हुए छठे स्थान पर रही थीं। अभिनेत्री ने आईएनएस के साथ बातचीत में हाल ही में ओटीटी और टीवी रियलिटी शो की बात की। उन्होंने बताया कि ओटीटी रियलिटी शो ‘अलायंस’ और ‘लॉक-अप’ लोगों की असलियत दिखा रहे हैं। लोग अगर गाली-गलौज वाली भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं, तो वो उनकी असलियत है। असल जिंदगी में लोग अक्सर ऐसे ही बात करते हैं। अभिनेत्री रियलिटी शो ‘बिग बॉस’ सीजन-18 का हिस्सा रह चुकी हैं। उनसे जब ‘लॉक अप’ और ‘अलायंस’ जैसे शो से आने वाले बोल्ड कंटेंट के बारे में पूछा, तो अभिनेत्री ने बताया कि यह शो ओटीटी पर स्ट्रीम हो रहे हैं, तो उनके पास सीन हो या

भाषा के लिए ज्यादा आजादी है। अभिनेत्री ईशा सिंह ने कहा, ‘देखिए, जब हमारे दर्शक इन शो को देखते हैं, तो वे बोलते हैं कि ऐसी अभद्र भाषा में बात कर रहे हैं। मेरा मानना है कि लोग असल जीवन में ऐसे ही बात करते हैं, हालांकि फर्क बस इतना है कि ओटीटी शो में दिखता है, जबकि बिग-बॉस टीवी पर प्रसारित होता है, इसलिए उसमें एडिट कर दिया जाता है।’ उन्होंने आगे कहा कि टेलीविजन में ओटीटी के मुकाबले पाबंदियां थोड़ी ज्यादा हैं, जिससे क्रिएटर्स किरदारों को ज्यादा असली तरीके से दिखा पाते हैं। उन्होंने कहा, ‘देखिए, कोई संत नहीं है। सब ऐसे ही बातें करते हैं। स्क्रीन के मुकाबले लोग असल जीवन में बिल्कुल अलग होते हैं। मुझे लगता है कि टीक है अभी लोग भी इसे पसंद कर रहे हैं। वे ‘लॉक अप’ और ‘बिग बॉस’ देख रहे हैं। मुझे लगता है कि लोगों को बस पसंद आना चाहिए।’ अभिनेत्री ईशा सिंह इस समय कलर्स टीवी के नए शो ‘जुही मुई’ में मुख्य भूमिका (जुही सूरी का किरदार) निभा रही हैं। यह शो एक ऑटिज्म से जुड़ा रही प्रतिभाशाली लड़की की प्रेरणादायक कहानी है, जो अपने परिवार की संपत्ति बचाने के लिए खुद वकील बनती है।

हरियाणवी सिंगर के साथ कोलैब करेंगी अक्षरा सिंह



अक्षरा सिंह भोजपुरी इंडस्ट्री की क्वीन हैं। अभिनय से लेकर सिंगिंग तक, हर क्षेत्र में उनका सिक्का चलता है। अक्षरा अब भोजपुरी सिनेमा से निकलकर दूसरी इंडस्ट्रीज में भी अपनी पहचान बना रही हैं। फिल्म ‘वेलकम टू द जंगल’ के ‘घिस घिस घिस’ गाने में वे अक्षय कुमार के साथ नजर आईं। उन्हें श्रद्धा कपूर की ‘ईटा’ में भी देखा जाएगा। इसके अलावा अब वे हरियाणवी सिंगर के साथ कोलैब करेंगी। भोजपुरी अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट साझा किया है। इसमें उन्होंने आर्य मासूम शर्मा के साथ अपनी कई तस्वीरें पोस्ट की हैं। तस्वीरों में दोनों हंसते-मुस्कुराते पोज दे रहे हैं। दोनों के बीच शानदार केमिस्ट्री देखी जा सकती है। पोस्ट के साथ अक्षरा सिंह ने कैप्शन लिखा है, ‘दो अलग मिट्टी का रंग, एक ही वाइब। तैयार हो इस कोलैब के लिए?’

अक्षरा सिंह व्हाइट कलर के सूट में नजर आ रही हैं, जिस पर पिंक और ब्लू पल्लोवर प्रिंट है। वहीं, मासूम शर्मा को डैनिम जींस और टी-शर्ट में देखा जा सकता है। बता दें कि आर्य मासूम शर्मा जिन्हें मासूम शर्मा के नाम से जाना जाता है, वे हरियाणा के मशहूर गायक, गीतकार और संगीतकार हैं।

‘ईटा’ में नजर आएंगी अक्षरा

‘वेलकम टू द जंगल’ के बाद अब अक्षरा सिंह को श्रद्धा कपूर की आगामी फिल्म ‘ईटा’ में भी देखा जाएगा। हालांकि, अक्षरा ने ‘ईटा’ में अपने रोल के बारे में ज्यादा जानकारी साझा नहीं की है। मगर, फिल्म का हिस्सा बनने पर वे बेहद उत्साहित हैं।



‘हेरा फेरी 3’ विवाद पर बोले परेश रावल

दिग्गज अभिनेता परेश रावल ने ‘हेरा फेरी’ के अपने को-स्टार अक्षय कुमार द्वारा उन्हें भेजे गए 25 करोड़ रुपये के कानूनी नोटिस के बारे में बात की है। यह नोटिस तब भेजा गया था, जब उन्होंने पिछले साल घोषणा की थी कि वो ‘हेरा फेरी 3’ का हिस्सा नहीं होंगे। अभिनेता ने कहा कि उनका फिल्म छोड़ने का फैसला अक्षय के साथ किसी निजी मुद्दे से जुड़ा नहीं था। विवाद एक कॉन्ट्रैक्ट से जुड़े मुद्दे के कारण हुआ था। और अक्षय का उन पर मुकदमा करने का फैसला एक भावनात्मक प्रतिक्रिया थी। परेश रावल ने कहा कि प्रोजेक्ट से अलग होने के उनके फैसले का अक्षय के साथ काम करने में असहज होने से कोई लेना-देना नहीं था। उन्होंने कहा कि बात यह नहीं थी कि ‘मैं अक्षय कुमार के साथ काम करने में असहज महसूस कर रहा हूँ।’ यह एक कॉन्ट्रैक्ट से जुड़ी बात थी। अगर मुझे फिल्म करनी थी, तो मुझे फिरोज नाडियाडवाला की मंजूरी चाहिए थी, क्योंकि वही ‘हेरा फेरी’ फ्रैंचाइजी के अकेले मालिक हैं। साथ ही ‘आवारा पागल दीवाना’, ‘वेलकम’ और ऐसी ही दूसरी फिल्मों के भी। जब तक उनकी मंजूरी नहीं मिल

जाती, मैं कोई कमिंटेंट नहीं कर सकता था। जब कानूनी नोटिस आया, तो मैंने सोचा, ‘मैं कानूनी मामलों में क्यों घिस्ट रहा हूँ? क्या मैं यहां फिल्म बनाने का मजा लेने आया हूँ या इसमें फंसने के लिए?’ मैंने खुद से कहा कि मैं अब इसका हिस्सा नहीं बनना चाहता। जब भी ‘हेरा फेरी 3’ बनेगी मैं उसमें काम करूंगा। फिल्म को लेकर लंबे समय से बनी अनिश्चितता के बावजूद परेश ने कहा कि जब भी यह प्रोजेक्ट शुरू होगा, मैं इसमें जरूर काम करूंगा, चाहे इसे कोई भी डायरेक्टर या प्रोड्यूस करे। मैं उस फिल्म से पूरी तरह जुड़ा हुआ हूँ। जब भी वे इसे बनाएंगे, मैं वहां मौजूद रहूंगा। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह और अक्षय बाद में नोटिस के बारे में बात करने के लिए बैठेंगे और क्या एक्टर ने माफी मांगी थी? इस पर परेश ने कहा कि मामला बिना किसी औपचारिक बातचीत के ही सुलझ गया। हम कभी इस बारे में बैठकर बात नहीं की, लेकिन हमने बाद में साथ काम किया। कभी-कभी आपको शब्द कहने की भी जरूरत नहीं होती। चीजों को सुलझाने का यह एक सभ्य तरीका है।

पहले मैं जिंदगी को इंजॉय करना नहीं जानती थी



काजल अग्रवाल अब 4 साल के बेटे नील की मां बन चुकी हैं। जल्द ही एक्ट्रेस खाने में मिलावट जैसे गंभीर मुद्दे पर फिल्म ‘द इंडिया स्टोरी’ लेकर आ रही हैं। साउथ की सुपरस्टार काजल अग्रवाल ने बॉलीवुड में मले ही कम फिल्में की थीं, मगर उनके चाहने वाले पूरे देश में हैं। एसएस राजामौली निर्देशित चर्चित फिल्म ‘मगाधीय’ हो या अजय देवगन के साथ ‘सिंघम’, अपने हर किरदार से साथ उन्होंने दर्शकों का दिल जीता है। हालांकि, इसके लिए उन्होंने काफी कुर्बानियां भी दी हैं। जल्द ही खाने में मिलावट जैसे गंभीर मुद्दे पर फिल्म ‘द इंडिया स्टोरी’ लेकर आ रही काजल एक दौर में साल में 7-8 फिल्में करती थीं। वह कहती हैं कि तब मेरी अपनी कोई जिंदगी नहीं थी। मैं सिर्फ काम में जुटी रहती थी। जिंदगी को इंजॉय करना नहीं जानती थी

आपने इस सफल करियर पर काजल कहती हैं,

‘यह ऊपरवाले की मेहरबानी और मेरे बड़ों का आशीर्वाद कि इतना कमाल का काम करने को मिला। कमाल के लोगों के साथ काम करने को मिला। मुझे ऐक्टिंग से बेहद प्यार है और जिस तरह के रोल मुझे मिल रहे हैं, जितना प्यार मुझे मिला है, मैं बहुत खुशानसीब हूँ। हालांकि, इस करियर में उत्तार-चढ़ाव भी थे। चुनौतियां भी थीं। पहले तो भाषा समझना ही मुश्किल था। लोगों की बातें समझ नहीं आती थीं। क्या सही है, क्या गलत है तो वो कल्चर समझा। वहां रहना, अडजस्ट करना, तब मैं मुंबई आती ही नहीं थी। साल में शायद 2 दिन, दिवाली और मेरा जन्मदिन या दिवाली और नया साल ही मुंबई में मनाता था, वरना 363 दिन मैं सिर्फ ट्रेवल और शूट करती थी। मैं एक साल में 7 से 8 फिल्में करती थीं। मेरी अपनी कोई जिंदगी ही नहीं थी। जब मेरे दोस्त जिंदगी एंजॉय कर रहे थे, मैं सिर्फ काम कर रही थी। मुझे जिंदगी का मजा लेने का मतलब ही नहीं पता था।’

खेल-खेल में बेटा रावण बन जाता है, मैं मंदोदरी

काजल नितेश तिवारी की महत्वाकांक्षी फिल्म ‘रामायण’ में मंदोदरी का किरदार निभा रही हैं। उस अनुभव के बारे में वह बताती हैं, ‘बहुत ही अलग और

अद्भुत अनुभव रहा है। जब हम लोग शूट करते हैं या शॉट्स देते हैं तो यह समझ आता है कि ये किस मुकाम तक जाएंगी। उसका स्कूल दिखाई देता है कि वह वलुंड सिनेमा के लिए बनी है। मेरे लिए तो ये बड़े गर्व की बात है कि ये सारा कमाल हमारी भारतीय प्रतिभाएं इतनी खूबसूरती से कर रही हैं। वहीं, रामायण का बेटे से

जुड़ाव के बारे में मजेदार किस्सा शेयर करते हुए कहती हैं, नील को रामायण पसंद है। उसे पता है कि मंदोदरी कौन है तो मैंने बताया है कि मम्मा इसमें मंदोदरी का रोल कर रही है, तो वह खेल-खेल में कहता है कि मैं रावण हूँ, तुम मंदोदरी हो तो मैं कहती हूँ कि ठीक है, वेरी गुड, चलो खेलते हैं।

मां होने के नाते खाने में मिलावट डराती है

अपनी फिल्म द इंडिया स्टोरी में खाने, दूध, फल आदि में मिलावट के मुद्दे को उठा रही काजल एक मां के तौर पर खुद इस विषय से काफी कनेक्टेड महसूस करती हैं। वह कहती हैं, ‘एक मां होने के नाते इन चीजों के बारे में सोचकर डर लगता है। हमें पता ही नहीं है कि हमारे बच्चे के सेहत के लिए क्या ठीक है, क्या नहीं? खाना हो, फल हो, दूध हो, आप बड़े से बड़े स्टोर पर भी भरोसा नहीं कर सकते। आपको पता ही नहीं कि अपने बच्चे को क्या खिला रहे हैं? तो हमें ज्यादा सचेत रहने की जरूरत है। ऐसे में, यह फिल्म आखें खोलने वाली रही। जो रिसर्च हमारे डायरेक्टर डीके चेतन ने दिखाए वह काफी डरावने थे। काजल का जोर अब मजबूत या मुद्दे वाली फिल्मों पर ज्यादा दिख रहा है। क्या फिल्मों के चुनाव को लेकर उनका नजरिया बदला है? इस पर वह कहती हैं, बिल्कुल, आपको सोच, चॉइस वक्त के साथ बदलती है, क्योंकि जिंदगी आपको मोके भी देर से देती है। आप जब अपने काम में सेंटल हो जाते हैं, तब प्रयोग करना शुरू करते हैं। शुरू में तो मैं खुद को स्थापित करने में ही इतनी व्यस्त थी कि बाकी कुछ सोचने का वक्त ही नहीं था। हर फिल्म को हां बोलती थी। साल में 8 फिल्में कर लेती थी। मगर क्या मां बनने का असर भी इस चुनाव पर पड़ा है? इस पर उनका कहना है, ‘ऐसी कोई लिस्ट नहीं है जो मैं फॉलो करती हूँ। जब मैं स्क्रिप्ट पढ़ती हूँ, तब मुझे पता चल जाता है कि ये मैं करूंगी, लेकिन ये नहीं सही लग रहा तो नहीं करूंगी, लेकिन बेटा जेहन में रहता है तो अंदर से एक फिल्टर रहता है।’

संपादकीय

महंगाई, दोहरी आय और बदलता परिवार

आज के समय में यदि किसी मध्यमवर्गीय परिवार से पूछा जाए कि उसकी सबसे बड़ी चिंता क्या है, तो उत्तर लगभग एक जैसा होगा-बच्चों की महंगी शिक्षा, घर का सपना, स्वास्थ्य सेवाओं का बढ़ता खर्च और रोजमर्रा की बढ़ती महंगाई। एक साधारण नौकरोपेक्षा व्यक्ति वर्षों की बचत के बाद भी अपना घर नहीं खरीद पा रहा। निजी विद्यालयों की फीस इतनी अधिक हो चुकी है कि बच्चों की शिक्षा परिवार के बजट का सबसे बड़ा हिस्सा बन गई है। ऐसे में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि आखिर ऐसा क्यों हुआ?

हाल के वर्षों में एक विचार तेजी से चर्चा में आया है कि इन समस्याओं का प्रमुख कारण महिलाओं का बड़ी संख्या में कार्यक्षेत्र में आना है। तर्क दिया जाता है कि जब पति और पत्नी दोनों कमाने लगे तो परिवारों की कुल आय बढ़ गई। बाजार ने इसे अवसर मान लिया और मकानों, स्कूलों तथा अन्य आवश्यक सेवाओं के दाम बढ़ा दिए। इस विचार के समर्थक यह भी कहते हैं कि महिलाओं के घर से बाहर निकलने से परिवार कमजोर हुए, बच्चों का पालन-पोषण प्रभावित हुआ और समाज में अस्थिरता बढ़ी।

यह तर्क पहली नजर में कुछ लोगों को आकर्षक लग सकता है, क्योंकि वास्तव में आज अधिकांश शहरी परिवारों में एक आय से घर चलाना कठिन होता जा रहा है। किंतु किसी भी सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन का विश्लेषण केवल एक कारण के आधार पर नहीं किया जा सकता। समाज, अर्थव्यवस्था और परिवार कई परस्पर जुड़े कारकों से प्रभावित होते हैं। इसलिए आवश्यक है कि इस बहस को भावनाओं से नहीं, तथ्यों और संतुलित दृष्टिकोण से देखा जाए।

सबसे पहले यह समझना होगा कि भारत सहित दुनिया के अधिकांश देशों में मकानों की कीमतें केवल परिवारों की आय बढ़ने से नहीं बढ़ीं। शहरीकरण, सीमित भूमि, बढ़ती आबादी, निवेश के रूप में रियल एस्टेट की लोकप्रियता, सरकारी नीतियाँ, निर्माण लागत, भूमि अधिग्रहण की जटिलताएँ और आसान ऋण व्यवस्था जैसे अनेक कारणों ने संपत्ति की कीमतों को प्रभावित किया। यदि केवल महिलाओं के रोजगार से ही मकान महंगे हुए होते, तो जिन देशों में महिलाओं की श्रम भागीदारी अधिक है वहाँ आवास हमेशा सबसे महंगा होना चाहिए था, जबकि वास्तविकता इससे कहीं अधिक जटिल है।

इसी प्रकार शिक्षा की बढ़ती लागत का संबंध भी अनेक कारणों से है। निजी शिक्षा का विस्तार, आधुनिक सुविधाओं की प्रतिस्पर्धा, अंग्रेजी माध्यम का आकर्षण, तकनीकी संसाधनों पर बढ़ता खर्च, शिक्षकों के वेतन, परिवहन, भवन निर्माण और शिक्षा के व्यवसायीकरण ने फीस बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह कहना कि केवल इसलिए स्कूलों की फीस बढ़ी क्योंकि महिलाएँ नौकरी करने लगीं, आर्थिक वास्तविकताओं का अत्यधिक सरलीकरण होगा।

फिर भी इस विचार के पीछे एक महत्वपूर्ण चिंता अवश्य छिपी हुई है। वह चिंता है परिवार की बदलती संरचना और जीवन की गुणवत्ता। यह सत्य है कि पहले संयुक्त परिवारों में बच्चों की देखभाल, बुजुर्गों की सेवा और घरेलू जिम्मेदारियाँ साझा होती थीं। आज छोटे परिवारों में पति-पत्नी दोनों के कार्यरत होने पर समय का अभाव महसूस होता है। बच्चों के साथ बिताया जाने वाला समय कम हुआ है। तनाव, मानसिक दबाव और कार्य-जीवन संतुलन की समस्याएँ बढ़ी हैं। लेकिन इन समस्याओं का समाधान महिलाओं को घर तक सीमित करना नहीं, बल्कि ऐसी सामाजिक और आर्थिक नीतियाँ बनाना है जो परिवार और कार्य के बीच संतुलन स्थापित कर सकें। इतिहास भी इस विषय को उतनी सरलता से नहीं देखता जितना अक्सर सोशल मीडिया पर प्रस्तुत किया जाता है। महिलाओं ने सदियों से खेती, पशुपालन, हस्तशिल्प, व्यापार और पारिवारिक व्यवसायों में योगदान दिया है। औद्योगिक क्रांति के दौरान भी बड़ी संख्या में महिलाएँ कारखानों में कार्य करती थीं। इसलिए यह कहना कि इतिहास में महिलाएँ हमेशा घर पर ही रहती थीं, वास्तविकता का पूर्ण चित्र प्रस्तुत नहीं करता। अंतर केवल इतना है कि पहले उनके श्रम का बड़ा हिस्सा बिना वेतन के घरेलू कार्यों में दिखाई देता था, जबकि आज वही श्रम वेतनभोगी रोजगार के रूप में अधिक स्पष्ट दिखाई देता है। यह भी सही है कि घरेलू कार्य का आर्थिक मूल्य अक्सर कम करके आँका गया है। घर सँभालना, बच्चों का पालन-पोषण करना, बुजुर्गों की सेवा करना और परिवार की व्यवस्था बनाए रखना किसी भी समाज के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य हैं। यदि कोई महिला या पुरुष यह भूमिका निभाता है तो उसका सम्मान होना चाहिए। लेकिन इसी प्रकार यदि कोई महिला अपनी शिक्षा, योग्यता और इच्छा के अनुसार नौकरी करना चाहती है तो उसके निर्णय का भी समान सम्मान होना चाहिए। वास्तविक सशक्तिकरण का अर्थ विकल्प का अधिकार है, न कि किसी एक जीवनशैली को सभी पर थोप देना। आर्थिक दृष्टि से भी यह विचारणीय है कि यदि लाखों महिलाएँ अचानक कार्याल से बाहर हो जाएँ तो देश की उत्पादन क्षमता, कर संग्रह, उपभोग और आर्थिक विकास पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा। अनेक क्षेत्रों-शिक्षा, स्वास्थ्य, बैंकिंग, सूचना प्रौद्योगिकी, प्रशासन और वैज्ञानिक अनुसंधान-में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। इन क्षेत्रों से महिलाओं की अनुपस्थिति केवल परिवारों को ही नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र की प्रगति को प्रभावित करेगी। वास्तविक समस्या शायद कहीं और है। पिछले कुछ दशकों में उत्पादकता जितनी बढ़ी, उतनी गति से आम नागरिक की वास्तविक क्रयशक्ति नहीं बढ़ी। संसति कुछ हाथों में अधिक केन्द्रित हुई। शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी आवश्यक सेवाओं का तेजी से निजीकरण हुआ।

लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक: स्वराज, स्वाभिमान और राष्ट्रजागरण के महानायक



सुनील कुमार महला

स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है और मैं इसे लेकर रहूँगा। यह प्रसिद्ध उद्घोष महान स्वतंत्रता सेनानी, समाज सुधारक, राष्ट्रवादी नेता, प्रभाषणशीली वक्ता, लेखक, जन-जागरण के अग्रदूत, भारतीय संस्कृति और परंपराओं के समर्थक, युवाओं के प्रेरणास्रोत तथा पत्रकार लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक का है। प्रतिवर्ष 23 जुलाई को उनकी जयंती मनाई जाती है। यहाँ पाठकों को बताता चलूँ कि तिलक को भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन का जनक तथा लोकमान्य की उपाधि प्रदान की गई है। लोकमान्य का अर्थ है- जिसे जनता द्वारा मान्यता प्राप्त हो। तिलक की गिनती उन नेताओं में की जाती है जिन्होंने अंग्रेजों के विरुद्ध जनमत तैयार किया और लोगों को स्वतंत्रता के लिए संगठित किया।

पाठकों को बताता चलूँ कि लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक का जन्म 23 जुलाई 1856 को महाराष्ट्र के रवागिरी में हुआ था। उनका पूरा नाम केवल गंगाधर तिलक था। उनके पिता गंगाधर रामचंद्र तिलक संस्कृत के विद्वान तथा शिक्षक थे तथा उनकी माता पार्वतीबाई धार्मिक प्रवृत्ति की महिला थीं। उन्होंने तिलक के

व्यक्तित्व में नैतिकता, संस्कार तथा देशप्रेम के बीज बोए। जानकारी मिलती है कि जब तिलक लगभग 9 वर्ष के थे, तब उनकी माता का निधन हो गया था, जिसका उनके जीवन पर गहरा प्रभाव पड़ा। स्वतंत्रता सेनानी होने के साथ-साथ तिलक गणित और संस्कृत के अत्यंत मेधावी छात्र थे। उन्होंने अंग्रेजी शिक्षा के साथ-साथ भारतीय संस्कृति और राष्ट्रीय चेतना पर आधारित शिक्षा का समर्थन किया। वास्तव में सच तो यह है कि उन्होंने शिक्षा को राष्ट्र-जागरण का साधन माना और 1880 में पुणे में न्यू इंग्लिश स्कूल की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। खगोलशास्त्र और वेदों में भी उनकी गहरी रुचि थी। उन्होंने द आर्कटिक होम इन द वेदाज नामक पुस्तक लिखी, जिसमें वैदिक सभ्यता पर अपने विचार प्रस्तुत किए। केसरी (मराठी भाषा) तथा द मराठा (अंग्रेजी भाषा) जैसे प्रसिद्ध समाचार पत्रों की स्थापना भी उनके द्वारा की गई। वास्तव में इन समाचार पत्रों के माध्यम से तिलक ने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन को वैचारिक शक्ति और जनसमर्थन प्रदान किया। केसरी के माध्यम से उन्होंने ब्रिटिश शासन की दमनकारी नीतियों की खुलकर आलोचना की तथा किसानों, मजदूरों और सामान्य जनता की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। इसके माध्यम से उन्होंने स्वदेशी, स्वराज और राष्ट्रीय एकता का संदेश जन-जन तक पहुँचाया। मराठी भाषा में होने के कारण यह सिधे आम लोगों की आवाज बन गया। वहीं द मराठा समाचार पत्र के माध्यम से उन्होंने शिक्षित भारतीयों तथा ब्रिटिश शासकों तक भारतीयों की भावनाएँ पहुँचाईं इतना ही नहीं, तिलक ने सार्वजनिक गणेशोत्सव और शिवाजी महोत्सव की शुरुआत कर उन्हें सामाजिक एवं राष्ट्रीय एकता का माध्यम बनाया।

परिवार: रिश्तों की सबसे बड़ी पाठशाला

डॉ. नरेन्द्र हरजाई (अंबाला) के विचारों से प्रेरित

परिवार केवल एक छत के नीचे रहने वाले लोगों का समूह नहीं है, बल्कि यह वह आधार है जहाँ व्यक्ति का व्यक्तित्व, संस्कार और चरित्र आकार लेते हैं। डॉ. नरेन्द्र हरजाई का मानना है कि यदि परिवार मजबूत होगा, तो समाज और राष्ट्र भी मजबूत होंगे। परिवार में प्रेम, सम्मान, संवाद और विश्वास जितना गहरा होगा, जीवन उतना ही संतुलित और सुखद बनेगा। उनके परिवार-परामर्श और प्रेरक वक्तव्यों का केंद्र भी यही रहा है कि स्वस्थ परिवार ही स्वस्थ समाज की पहली शर्त है।

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोग सुविधाओं के पीछे दौड़ रहे हैं, लेकिन अपनों के लिए समय निकालना भूलते जा रहे हैं। डॉ. नरेन्द्र हरजाई कहते हैं कि बच्चों को केवल अच्छी शिक्षा नहीं, बल्कि अच्छे संस्कार भी चाहिए। संस्कार कितानों से कम और परिवार के वातावरण से

अधिक मिलते हैं। बच्चे वही सीखते हैं जो वे अपने माता-पिता और बड़ों के व्यवहार में देखते हैं।

उनके अनुसार परिवार में मतभेद होना स्वाभाविक है, लेकिन मनभेद नहीं होने चाहिए। संवाद बंद होते ही रिश्तों में दूरियाँ पैदा होने लगती हैं। इसलिए परिवार प्रत्येक सदस्य को एक-दूसरे की बात सुनने, समझने और सम्मान देने की आदत विकसित करनी चाहिए। प्रेम और धैर्य हर समस्या का समाधान बन सकते हैं।

डॉ. नरेन्द्र हरजाई यह भी कहते हैं कि परिवार की असली समृद्धि धन-दौलत नहीं, बल्कि आपसी विश्वास है। जिस घर में सम्मान, सहयोग और अपनापन होता है, वहाँ कठिन परिस्थितियाँ भी मिलकर आसान बना ली जाती हैं। वहीं जिस घर में अहंकार, कटुता और स्वार्थ बढ़ जाता है, वहाँ सुख-सुविधाएँ भी शांति नहीं दे पातीं। वे माता-पिता को परिवार का पहला शिक्षक मानते हैं। उनका कहना है कि

बच्चों को समय देना, उनके साथ बैठना, उपहार से अधिक मूल्यवान है। परिवार में



उनकी बातें सुनना और उन्हें सही-गलत बुजुर्गों का सम्मान केवल परंपरा नहीं, का अंतर समझाना किसी भी भौतिक बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक

जीवंत शिक्षा है।

आज सोशल मीडिया और डिजिटल दुनिया ने लोगों को दुनिया से तो जोड़ दिया है, लेकिन कई बार अपने ही परिवार से दूर कर दिया है। डॉ. नरेन्द्र हरजाई का संदेश है कि दिन का कुछ समय ऐसा अवश्य होना चाहिए जब पूरा परिवार बिना मोबाइल के साथ बैठे, भोजन करे और खुलकर बातचीत करे। यही छोटे-छोटे पल रिश्तों को जीवन्त रख मजबूत बनाए रखते हैं। अंततः डॉ. नरेन्द्र हरजाई का संदेश स्पष्ट है-परिवार ईश्वर का सबसे सुंदर उपहार है। यदि हम परिवार को समय, सम्मान और प्रेम देंगे, तो वही परिवार जीवन की हर चुनौती में हमारी सबसे बड़ी शक्ति बन जाएगा। मजबूत परिवार ही सशक्त समाज और समृद्ध राष्ट्र की नींव है। इसलिए रिश्तों को निभाइए, संवाद बनाए रखिए और परिवार को केवल रहने की जगह नहीं, बल्कि प्रेम, विश्वास और संस्कारों का मंदिर बनाइए।

... "मामला पब्लिक लाइब्रेरी का " चिल्लाओ गला फाड़ के...पर सच पर चुप क्यों?



प्रदीप कुमार नायक स्वतंत्र लेखक एवं पत्रकार

इस देश में शोर मचाने की कला सबसे आसान हो गई है। टीवी अनं करो, मोबाइल खोलो, सोशल मीडिया स्कॉल करो - हर जगह कोई न कोई गला फाड़-फाड़ कर चिल्ला रहा है। किसी सेलेब्रिटी के कपड़े पर, किसी दूसरे राज्य के मुद्दे पर, किसी पुरानी फिल्म के डायलॉग पर। देश बंद, सड़क जाम, ट्रेंड नंबर बन। बेवजह के मुद्दे पर पूरा देश खड़ा हो जाता है।

पर जरा अपने मोहल्ले में झाँक कर देखिए। अपने गांव की सड़क, अपने स्कूल की छत, अपने शहर की लाइनें, वहाँ जब भ्रष्टाचार होता है, जब अश्लीलता परोसी जाती है, जब बच्चों का भविष्य दांव पर लगता है, तब वही गला बैठ जाता है। वही जुवान सिल जाती है। वही उंगली जो की

बोर्ड पर आग उगलती है, वो कागज पर हस्ताक्षर करने से डरती है।

मधुबनी जिले के राजनगर की पब्लिक लाइब्रेरी इसका जीता-जागता सबूत है। ये कोई छोटा मामला नहीं है। ये हमारे पूरे सिस्टम की बीमारी है।

यहाँ ग्यारह साल से एक ही कमेटी राज कर रही थी। चुनाव हुई भी तो सिर्फ खाना पूर्ति के लिए। चुनाव का नाम तक नहीं। सदस्यता शुल्क कभी 151 तो कभी 551, फिर 151 हिसाब कोई नहीं। लाइब्रेरी के नाम पर आने वाली लाखों की आय कहाँ जाती है, कोई जवाब नहीं। किताबें नहीं आतीं, पत्र-पत्रिका तथा स्कूल-कॉलेज की किताबें नहीं लगते, पर परिसर हर रात रोशन रहता है। किस लिए? शादियों के लिए, पार्टियों के लिए, डीजे और अश्लील नृत्य के लिए।

बिहार में शराबबंदी है। पर लाइब्रेरी के कोने में शराब की बोतलें मिलती हैं। रात होते ही शादियाँ शराब और अश्लील डांस डी जे के धुन पर चलता हैं। कानून कहता है 14 साल से कम बच्चों से काम नहीं करवाओ। पर यहाँ वही बच्चे झूठ उठाते, बर्तन धोते मिलते हैं। यानी एक तरफ भ्रष्टाचार, दूसरी तरफ अश्लीलता, तीसरी तरफ बाल श्रम। तीनों गुनाह एक ही छत के नीचे। भ्रष्टाचार भी हैं, अश्लीलता भी हैं, आगूँ। क्योंकि यहाँ वोट नहीं हैं, यहाँ सिर्फ अनिर्णयिता भी हैं।

जब इस पर सवाल उठाया

गया तो जवाब क्या मिला? तर्क नहीं, तथ्य नहीं, सफाई नहीं। मिला "प्यार भरा बुलावा" और धमकी। लेख तथा समाचार लिखों तो रात में बुलाकर समझाया जाता है।' आमसभा हुई तो सब लोग बुत बनकर बैठे रहे। बाहर निकलते ही वही लोग बड़े-बड़े प्रवचन देने लगे।

यही सबसे बड़ा सवाल है। हमें दूसरे के घर में आग दिख



जाती है, पर अपने घर में लगी आग दिखाई नहीं देती। हम दूसरे राज्य के मुद्दे पर रात-रात भर जाग कर दलीट कर सकते हैं, देश के कोने-कोने में बेवजह चिल्लाने वाले लोग यहाँ चुप। चैनल वाले यहाँ कैमरा लेकर नहीं आगूँ। बड़े नेता यहाँ भाषण देने नहीं आगूँ। क्योंकि यहाँ वोट नहीं हैं, यहाँ सिर्फ सच हैं, और सच सुनने की हिम्मत इस देश

में सबसे कम है।' पर अपने शहर राजनगर की लाइब्रेरी को बचाने के लिए एक चिट्ठी नहीं लिख सकते।

क्यों? क्योंकि वहाँ शोर मचाने से "लाइक" मिलते हैं। वहाँ कैमरा होता है। वहाँ नेता आते हैं। पर यहाँ? यहाँ सिर्फ सच है। और सच के साथ खड़े होने के लिए जिगर चाहिए।

राजनगर की

फाड़ो। अब अगर आंदोलन करना है तो यहीं करो। मांग करो कि तुरंत स्वतंत्र ऑडिट हो। ग्यारह साल का हिसाब सार्वजनिक हो। गैप कमेटी का चुनाव हो।' देखियों पर कार्रवाई हो। परिसर को तुरंत आगोजनों के लिए बंद किया जाए और लाइब्रेरी को वापस किताबों और बच्चों के हवाले किया जाए। नियमित चुनाव हों।

वरना याद रखिए, जिस दिन आखिरी लाइब्रेरी भी शराब और अश्लीलता के हवाले हो जाएगी, उस दिन हमारे पास बच्चों को देने के लिए सिर्फ दो चीजें बचेगी बेरोजगारी और शर्म।

अब और चुप नहीं रहा जा सकता।' गला फाड़ना है तो यहीं फाड़ो।' शोर मचाना है तो अपने घर के पास मचाओ। मांग करो कि तुरंत ऑडिट हो, देखियों पर कार्रवाई हो, चुनाव हो और लाइब्रेरी को वापस किताबों और बच्चों को सौंपा जाए। वरना एक दिन ऐसा आयेगा जब हमारे पास बच्चों को देने के लिए कोई लाइब्रेरी नहीं बचेगी।' सिर्फ किस्से बचेंगे कि यहाँ कभी ज्ञान का मंदिर हुआ करता था।' जिसे हमने खुद भ्रष्टाचार और अश्लीलता के हवाले कर दिया।

इसलिए चिल्लाइए। पर बेवजह नहीं। सच के लिए चिल्लाइए। अपने हक के लिए चिल्लाइए। क्योंकि अगर आज हम नहीं बोले, तो कल बोलने के लिए कोई लाइब्रेरी बचेगी ही नहीं।

यूके व्यापार समझौते से प्रत्येक भारतीय के लिए बड़े अवसर खुलेंगे

-पीयूष गोयल- आज से, यूके को होने वाले भारत के लगभग सभी निर्यात पर कोई सीमा शुल्क नहीं लेगेगा। इससे हमारे छोटे व्यवसायों, किसानों, मछुआरों, नवोन्मेषकों, महिलाओं और श्रम-प्रधान उद्योगों के लिए बड़े अवसर खुलेंगे, क्योंकि परिवर्तनकारी ह्याव्यापक आर्थिक और व्यापार समझौता (सीडीटीए) आज से लागू हो रहा है। यह भारत का सबसे व्यापक मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) है और यह बड़ी संख्या में नौकरियों और व्यापार- अवसरों का सृजन करके समृद्धि लाएगा। इससे भारतीय निमाताओं को धीरे-धीरे स्वस्थ प्रतिस्पर्धा करने का मौका मिलेगा और हर नागरिक को प्रतिस्पर्धी कीमतों पर उच्च गुणवत्ता वाले सामान प्राप्त करने का लाभ मिलेगा। इससे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत 2047 मिशन को भी तेज गति मिलेगी। व्यवसायियों में उत्साह है। उनके पास यूके को माल भेजने के लिए विस्तृत योजनाएँ हैं। रत और आभूषण

निर्यातकों को उम्मीद है कि यूके को होने वाला निर्यात अगले तीन साल या उससे भी कम समय में 230ब बढ़कर 2.5 अरब डॉलर हो जाएगा, जबकि इंजीनियरिंग वस्तुओं के निर्यातों को उम्मीद है कि अगले 4-5 सालों में यूके को होने वाली बिक्री लगभग दोगुनी होकर 7.5 अरब डॉलर तक पहुँच जाएगी। पिछले साल प्रधानमंत्री मोदी और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री की रस्टारमर की मौजूदगी में हस्ताक्षर हुए इस समझौते से, जो दोनों पक्षों के लिए फायदेमंद है, लाभभग 99न टैरिफ लाइनें पर शुल्क तुरंत समाप्त हो जाएगा। इसमें लगभग 100न व्यापार मूल्य शामिल है, जिससे भारतीय निर्यात, जो वैश्विक उथल-पुथल के बावजूद पहले से ही तेजी से बढ़ रहा है, के लिए अपार अवसर पैदा होंगे। युवा सोच, वैश्विक अवसररइ यह जन-केन्द्रित एफटीए 15 जुलाई से लागू हो रहा है, जो विश्व युवा कौशल दिवस भी है। 2015 में इसी दिन पीएम मोदी ने कौशल

भारत मिशन की शुरुआत की थी, जो हमारे युवाओं को न सिर्फ भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने, योगदान देने और नेतृत्व करने में सक्षम बना रहा है। भारतीय युवाओं के लाभ के लिए, यूके ने अब तक की अपनी सबसे व्यापक सेवा-संबंधी प्रतिबद्धता व्यक्त की है, जिसमें सभी प्रमुख सेवा क्षेत्र और भारत के लिए निर्यात की दृष्टि से महत्वपूर्ण 137 उप-क्षेत्र शामिल हैं। बेहतर बाजार पहुँच और नियामक स्पष्टता से भारतीय सेवा प्रदाताओं को आईटी और आईटी-सक्षम सेवाओं, वित्तीय सेवाओं, पेशेवर सेवाओं, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, इंजीनियरिंग, दूरसंचार और परामर्श सेवाओं में समर्थन मिलेगा। रोजगार के अवसर झ युवाओं को रोजगार के ज्यादा मौके मिलेंगे, क्योंकि बेहतर पहुँच के साथ रत और आभूषण, वस्त्र, चमड़ा और जूते, जैविक रसायन, प्लास्टिक, वाहन कल-पुर्जे, हस्तशिल्प और खाद्य

प्रसंस्करण जैसे श्रम-गहन क्षेत्र अपने कामकाज का विस्तार करेंगे। कुल मिलाकर, वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं तक पहुँच को बढ़ावा देकर और प्रतिस्पर्धा क्षमता में सुधार करके, सीडीटीए भारतीय युवाओं को जल्दी कौशल और अवसर प्रदान करेगा, ताकि वे अंतरराष्ट्रीय बाजार में सार्थक भूमिका निभा सकें और विकास में योगदान दे सकें। सीडीटीए का एक महत्वपूर्ण पहलू है, दोहरी योगदान व्यवस्था। यह ऐतिहासिक व्यवस्था, जो सीडीटीए के साथ लागू हो रही है, भारतीय श्रमिकों और निमाताओं को अस्थायी कार्य-भार के दौरान यूके में दोहरी सामाजिक सुरक्षा योगदान से छूट देती है। कर्मचारियों के लिए अस्थायी विदेशी कार्य-भार पर निरंतर सामाजिक सुरक्षा कवरेज से 75,000 से अधिक भारतीय पेशेवरों और 900 से अधिक कंपनियों को लाभ मिलने की उम्मीद है।

